



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 23, 1975 (भाद्रपद 1, 1897)

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 23, 1975 (BHADRA 1, 1897)

इस माग में प्रिन्ट पृष्ठ संलग्न ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

बहु स्थायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं. पी०/1837/प्र०-I—इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के भूतपूर्व रीडर डा० विद्या सागर मिश्र को 15 मार्च, 1975 से 31 मई, 1975 (दोनों दिन सहित) तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी० एन० मुखर्जी, अवर सचिव

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च 1975

सं. ए० 32013/1/75-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी तथा कार्यरत अवर सचिव श्री ए० एन० मिन्हा को 1 मार्च 1975 में आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानपन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 1 जुलाई 1975

सं. ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनभाग अधिकारी प्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० एड्डी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना

1—206 GI/75

सं. ए० 32013/1/75-प्रशा० I दिनांक 12 मई, 1975 द्वारा उक्त सेवा के प्रेड 1 में स्थानापन्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 13 जून, 1975 के अपराह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० एन० एड्डी ने 13 जून, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया।

पी० एन० मुखर्जी, अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011 दिनांक 1 जुलाई 1975

सं. ए० 32013/1/75-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनभाग अधिकारी प्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा को राष्ट्रपति द्वारा, 28-4-75 से 28-6-75 तक 62 दिन की अवधि के लिए सेवा के प्रेड I में स्थानापन्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री बी० आर० वर्मा ने 28 जून, 1975 के अपराह्न से अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(7011)

3. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री वर्मा ने 28 जून, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया।

सं० ए०-३२०१३/१/७५-प्रशा० १—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के प्रनुभाग अधिकारी प्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पी० विज को राष्ट्रपति द्वारा १ मई, १९७५ से २१ जून, १९७५ तक ५२ दिन की अवधि के लिए इस सेवा के प्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री जी० पी० विज ने २१ जून, १९७५ के अपराह्न से अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया था।

3. अपने प्रत्यावर्तन पर श्री विज ने २१ जून, १९७५ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

सं० ए० ३२०१३/१/७५-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अधिकारी प्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चन्द्रा को राष्ट्रपति द्वारा १५ मई १९७५ से ५ जुलाई, १९७५ तक उक्त सेवा के प्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक २३ जुलाई १९७५

सं० ए० ३२०१३/१/७५-प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अधिकारी श्री वी० एन० एड्झु को राष्ट्रपति द्वारा, १५ जून, १९७५ से १४ अगस्त १९७५ तक २ महीने की अवधि के लिए अथवा किसी नियमित अधिकारी के कार्य ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के प्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली-१, दिनांक २३ जुलाई १९७५

सं० एन० २/६५-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा दिल्ली पुलिस के पुलिस उप-अधीक्षक श्री एन० एन० तुली को दिनांक १० जुलाई, १९७५ के पूर्वाह्न से अगले भावेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक २६ जुलाई १९७५

सं० आर० १०/७१-प्रशासन-५—इस विषय पर पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिकरण करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महा-निदेशक, विशेष पुलिस स्थापना

एतद्वारा, श्री आर० जगन्नाथन, उप-अपराध-सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, को दिनांक १९ जून १९७२ से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक १२ जुलाई १९७५

सं० ए० ११/१२/७५—श्री एम० पी० मेहवाला, निरीक्षक प्रायकर, बम्बई को प्रवर्तन निदेशालय के अहमदाबाद उप-कार्यालय में दिनांक १ जुलाई, १९७५ से अगले आदेशों तक के लिए इसके द्वारा प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

नूपेन बर्खर्णि, उप-निदेशक
(प्रशासन)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल
नई दिल्ली-११०००१, दिनांक २३ जुलाई १९७५

सं० पी० VII-४-७५-स्थापना—राष्ट्रपति सूबेदार सोहन सिंह को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में, छुट्टी के दौरान उप पुलिस अधिक्षक (कम्पनी कमांडर ब्यार्टर मास्टर) के पद पर २३ जून, १९७५ (अप) से अस्थायी तौर पर अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. उनको ३ सिंगल बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में तैनात किया गया है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार उसी दिन के अपराह्न से सम्भाल लिया।

सं० एफ० ८/१२/७५-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०—राष्ट्रपति ने श्री जी० के० चतुर्वेदी पुलिस उप-अधीक्षक २६ बटालियन, के० रि० पु० दल का त्यागपत्र दिनांक १ अप्रैल, १९७५ पूर्वाह्न से मन्जूर किया।

सं० एफ० ८/६/७५-स्थापना के० रि० पु० दल—राष्ट्रपति ने श्री राम मोहन राव, उप-पुलिस अधीक्षक, ३८वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्यागपत्र ४-५-७५ पूर्वाह्न से स्वीकार किया।

दिनांक २९ जुलाई १९७५

सं० O.II-१०२३/७५-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर अक्षेय कुमार सत्पति को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको २१-५-१९७५ पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर अक्षय कुमार सतपति को श्रूप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुस्लिस बल गुहाई में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक,
स्थायना

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1975

सं० ई-38013(2)/6/75-प्रशा०I—श्री ए० बी० बी०, मुदालियर, कमांडेंट केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, द्राम्बे, ने दिनांक 30 जून, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बम्बई हवाई पत्तन, बम्बई, के कमांडेंट पद के अतिरिक्त कार्यभार को छोड़ दिया।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ई-38013(3)/3/75-प्रशा०I—बोकारो स्टील सिटी, बोकारो स्टील लिमिटेड को स्थानान्तरित होने पर, श्री जैड० एस० सागर ने दिनांक 5 जुलाई, 75 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई स्टील प्लाट, भिलाई-1 के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और इनके स्थान पर, दुर्गापुर स्टील प्लाट से स्थानान्तरित होने पर, श्री ए० एस० शेखावत ने उसी दिनांक के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय भिलाई-1 में होगा।

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० 8/10/75-आर०जी०(ए०डी०I).—निम्नलिखित अधिकारियों ने विभिन्न जनगणना निदेशक के कार्यालय में उनके नाम के आगे दिये गए दिनांकों से कार्यभार सौंप दिया और उनकी सेवाएं उन्हीं दिनांकों से उनके निजी राज्य सरकारों के सुरुद्वं वापस कर दी गई:—

क्रम संख्या	नाम और पदनाम	कार्यालय का नाम	कार्यभार सौंपने की तिथि	सेवा जिनके सुरुद्वं वापस की गई
1	श्री एस० सी० जोशी जनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक अन्तमान एवं निकोबार	1-7-75 (पूर्वाह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार
2	श्री यू० पी० श्रीवास्तव उपजनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक बिहार	30-6-75 (अपराह्न)	बिहार सरकार
3	श्री यू० एन० पाठ्डे उपजनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक बिहार	1-4-75 (अपराह्न)	बिहार सरकार
4	श्री एस० के० जम्बाबदेकर उपजनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक महाराष्ट्र	30-6-75 (अपराह्न)	महाराष्ट्र सरकार
5	श्री न्यूमन फीलीप उपजनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक मेघालय	30-6-75 (अपराह्न)	असम सरकार
6	श्री एस० एस० निगम उपजनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक उत्तर प्रदेश	30-6-75 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार
7	श्री आर० एन० तिवेदी उपजनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक उत्तर प्रदेश	4-7-75 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार
8	श्री बी० बी० पाठ्डे उपजनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक उत्तर प्रदेश	18-7-75 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० 11/7/75-आर० जी० (ए० डी० I)—राष्ट्रपति श्री ए० डब्ल्यू० महात्मे को, जो महाराष्ट्र के जनगणना निदेशक कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) है, दिनांक 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में विलक्षुल अस्थायी एवं तदर्थ रूप से 6 महीने की अवधि के लिए उप जनगणना निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उनका मुख्य कार्यालय बम्बई में होगा।

दिनांक 26 जुलाई 1975

सं० पी०/प्राई(1)-ए० डी०-I—राष्ट्रपति श्री इम्तिकूम्जुक आओ को जो नागालैंड असेनिक सेवा (प्रथम वर्ग) कनिष्ठ श्रेणी के अधिकारी हैं, दिनांक 4 जून, 1975 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए नागालैंड के उप जनगणना निदेशक के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री इम्तिकूम्जुक आओ का मुख्य कार्यालय कोहिमा में होगा।

सं० 25/10/72-आर० जी० (ए० डी० I)—श्री टी० पी० दास के भारतीय संचिकी सेवा के ग्रेड III में नियुक्ति के फलस्तरूप उन्होंने दिनांक 2 जुलाई, 1975 के अपराह्न से बिहार के सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पदभार को सौंप दिया।

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1975

—

कार्यालय का नाम	कार्यभार सौंपने की तिथि	सेवा जिनके सुरुद्वं वापस की गई
जनगणना निदेशक अन्तमान एवं निकोबार	1-7-75 (पूर्वाह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार
जनगणना निदेशक बिहार	30-6-75 (अपराह्न)	बिहार सरकार
जनगणना निदेशक बिहार	1-4-75 (अपराह्न)	बिहार सरकार
जनगणना निदेशक महाराष्ट्र	30-6-75 (अपराह्न)	महाराष्ट्र सरकार
जनगणना निदेशक मेघालय	30-6-75 (अपराह्न)	असम सरकार
जनगणना निदेशक उत्तर प्रदेश	30-6-75 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार
जनगणना निदेशक उत्तर प्रदेश	4-7-75 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार
जनगणना निदेशक उत्तर प्रदेश	18-7-75 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार

बद्रीनाथ,
भारत के उपमहापंजीकार एवं पदेन उपसचिव

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक, दिनांक 21 जुलाई 1975

सुचारित वेतन श्रेणी रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-
1200 में 6 महिने के लिए 17 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से
नियुक्त किया जाता है अथवा तब तक नियंत्रित रूप से जब तक,
इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाये।

सं० 651/ए—श्री आर० डी० कुलकर्णी, अनुभाग अधिकारी
चतार्थ पद मुद्रणालय नासिकरोड़ को भारत प्रतिभूति मुद्रणालयों में
(द्वितीय श्रेणी राज-पवित्र पद) शासन अधिकारी के पद पर

विं० ज० जोशी, महाप्रबन्धक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्वक

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को उन के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जायगा।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर मंड्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना का अन्तरण की तारीख	संगठन
1.	श्री एस० वी० बैंकटारामन (पी०/97)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रण, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता, (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान बंगलौर में प्रति- नियुक्ति पर)
2.	श्री डब्ल्यू० जी० लोहारीकर (पी०/210)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
3.	श्री के० रामास्वामी (पी०/213)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
4.	श्री के० के० शर्मा (पी०/217)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून।
5.	श्री टी० पी० पद्माभन (पी०/427)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
6.	श्री एम० ए० खिस्ती (ओ०/9)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
7.	श्री जी० एम० टिप्पनिस (ओ०/37)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
8.	श्री टी० आर० गणेशन	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक मध्य कमान, मेरठ।

2. इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए० दिनांक 9 जून 1975 में जहां तक श्री डा० गोपाल देसीकन, स्थायी लेखा
अधिकारी (पी०/70) क्रम सं० 2 का सम्बन्ध है, निम्नलिखित संशोधन किया गया है :—

“मृत्यु की तारीख” वाले खाने के नीचे—

15-5-75 के लिए 16-5-75 पढ़े।

“नकरी में निकालने की तारीख” वाले खाने के नीचे—

16-5-75 पूर्वाह्न के लिए 17-5-75 पूर्वाह्न पढ़े।

दिनांक 28 जुलाई, 1975

सं० 18363/प्रशा० II—भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति के लिए चुन लिए जाने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन श्री प्रकाश चन्द्र को 12 जुलाई, 1975 अपराह्न से संगठन की नफरी से निकाल दिया गया है।

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अवर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय
भारतीय आर्डनैन्स फैक्ट्रियां सेवा
महानिदेशालय आर्डनैन्स फैक्ट्रियां
कलकत्ता, दिनांक 22 जुलाई, 1975

सं० 25/75/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर, निम्नलिखित अक्सर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा नियृत हुए :—

नाम पद तथा तारीख

1. श्री जी० डी० डल्वी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फौरमैन) — 28 फरवरी, 1975।
2. श्री एच० बी० गदरे, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी स्टाफ असिस्टेन्ट) — 30 अप्रैल, 1975।

एम० पी० आर० पिलाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्ट्रियां

वाणिज्य मंत्रालय
वस्त्र आयुक्त कार्यालय
बम्बई-20, दिनांक 22 जुलाई, 1975

सं० ई० एस० टी०-१-२ (402)—बुनकर सेवा केन्द्र, मद्रास के उप-निदेशक (रंगाई) श्री एस० कृष्णन 29-५-1974 के पूर्वाह्न से, असमर्थ होने के कारण, सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिये गये।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 जुलाई, 1975

सं० ए०/17011(28)/71-प्र०-6—स्थायी भंडार परीक्षक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मंडल में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री जैड० ए० बुद्धारी, दिनांक 30-६-75 (अपराह्न) से निर्वतन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 24 जुलाई, 1975

संशोधन

सं० ए०-17011/90/75-प्र०-6—इस कार्यालय की अधिमूचना सं० ए०-17011/90/75-प्र०-6 दिनांक 27 जून, 1975 के पैरा 1 तथा 2 में ‘सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०)’ के स्थान पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) पढ़ें।

सं० ए०-17011/91/75-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के अधीन निरीक्षण उप निदेशक, कानपुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री ओ० पी० मल्होत्रा को दिनांक 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक कानपुर में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/92/75-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री आर० सी० गुप्त को दिनांक 7-7-1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-6/247(270) 60/II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रासायन) श्री एम० पी० चौधरी को दिनांक 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की धातु-रासायन शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री चौधरी ने 30 जून, 1975 (अपराह्न) से वर्नपुर में सहायक अधिकारी (धातु-रासायन) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से धातुकर्म निरीक्षणालय, वर्नपुर के अधीन दुर्गपुर में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रासायन) का पदभार सम्भाल लिया।

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई, 1975

सं० प्र० 1/1(863)—स्थायी अवर प्रभति अधिकारी तथा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री के० बी० सुश्रहाप्यम दिनांक 30 अप्रैल, 1975 के अपराह्न से निर्वतन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० एल० कोहली,
उपनिदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा
निपटान

(द्विन्दी अनुभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जुलाई, 1975

सं० प्र०-1/1(1020)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में अधीक्षी-

क्षक श्री बी० के० संकरालिगम को १ जुलाई, १९७५ के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निदेशालय, मद्रास में सहायक निदेशक (प्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त अरते हैं।

श्री संकरालिगम की सहायक निदेशक (प्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कण्णुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका संख्या ७३९/७१ के निर्णय के अधीन होगी।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
कलकत्ता-१३, दिनांक २१ जुलाई १९७५

सं० २२२२ (बी०पी०एल०)/१९ ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) श्री वेद प्रकाश लाल को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में इसी विभाग में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द०रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगे आदेश होने तक, ४ जनवरी, १९७५ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन,
महानिदेशक

कलकत्ता-१३, दिनांक २५ जुलाई, १९७५

सं० ३(५)/७१-बी०बी०/१९ बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) कु० बासबी बासु बी० ई० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण सहायक भूभौतिकीविद् (उपकरण) के रूप में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगे आदेश होने तक, २८ मई, १९७५ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन,
महा निदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म-प्रभाग

बम्बई-२६, दिनांक २८ जुलाई, १९७५

सं० १७/४०/४९/सिब्बन्दी I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख नियमिता ने श्री पी० दास गुप्ता के छुट्टी पर जाने से श्री पी० बी० राव, स्थानापन्न विक्रेता की ११ जुलाई, १९७५ (अपर्वाह्न) से शाश्वा प्रबन्धक नागपुर के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
हृते प्रमुख नियमिता

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक २३ जुलाई, १९७५

सं० ए०-३००१४(२०)/७४-एस-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री टी० पी० ताण्डवरायन, कृषि रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, तिरचिरापल्ली को ४-१२-७३ से उसी पद पर स्थायित्व पद-धर्मता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक २४ जुलाई, १९७५

सं० ४(७८)/७५-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अभय कुमार पाधी को २३ जून, १९७५ से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, जयपुर में, अस्थायी तौर पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक, २५ जुलाई, १९७५

सं० ४(९५)/७५-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० तलन्थांगा को ११ जुलाई, १९७५ से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, एजल में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ५(३७)/६७-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री यू० रमिया, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कालीकट को २ जुलाई, १९७५ से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, त्रिचुर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
हृते महानिदेशक

योजना व विकास एकक

नई दिल्ली, दिनांक २४ जुलाई, १९७५

सं० १६(३७)/६७-डी० (एस०)दो—महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखा अधिकारी, श्री आर० पी० घोष, को १४ अप्रैल, १९७५ (पूर्वाह्न) से अप्रेतर आदेशों तक केन्द्र इंजीनियर कार्यालय, केन्द्रीय भण्डार, आकाशवाणी, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त के आधार पर नियुक्त किया गया है।

तिलक राज सभरवाल
उप विकास अधिकारी (प्रशासन)
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक २३ जुलाई, १९७५

सं० २६-८/७४-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० एल० विज को २१ फरवरी, १९७२ से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, नई दिल्ली में भंडार अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 32-4/75-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री वाई० पी० ओबराय को 16 फरवरी, 1975 से ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़, दिल्ली में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 24 जुलाई, 1975

सं० 1-9/72-प्रशासन—I—राष्ट्रपति ने श्री आर० एन० मुख्योपाध्याय को 21 मई, 1972 से अधिकारीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सुरक्षा इंजीनियरी के सहायक प्रोफेसर के स्थायी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

सं० 17-7/75-एडमिन—I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री य० एस० गर्मीको 24 जून, 1975 के पूर्वाह्न में तदर्थं आधार पर और आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वरिष्ठ खात्र निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जुलाई, 1975

सं० 26-2/70-एडमिन—I—भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद विदेश सेवा पर प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप डा० एस० जे० रहमान ने 1 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 28 जुलाई, 1975

सं० 17-28/75-एडमिन—I—राष्ट्रपति ने श्री बी० के० सक्सेना को 14 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से तदर्थं आधार पर तथा आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक सचिव (भारतीय भेषज समिति) के पद पर नियुक्त किया है।

मूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई, 1975

सं० 2-41/75-सी०एच०एस०-2—प्रशना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप डा० जी० पी० शाह ने 14 जुलाई, 1975 के अपराह्न से सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 26 जुलाई, 1975

सं० 2-46/75-सी० एच० एस०-2—प्रशना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप, डा० (श्रीमती) अंजुला खस्ता ने 18 जुलाई, 1975 के अपराह्न को सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,
उप निदेशक प्रशासन
(सी०एच०एस०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्षय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 जुलाई, 1975

सं० डी० पी० एस० ए०/11013/11/74—स्थापना 891—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्षय एवं भंडार निदेशक, क्षय एवं भंडार निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी निपिक तथा स्थानापन्न भंडारी श्री गुलाब भाई दुलामाई राठोड़ को 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के तिए उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000; ई०बी०-40-1200 रुपये (संशोधित) के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जीसक,
प्रशासन अधिकारी

भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 21 जुलाई, 1975

सं० 1/1/71-स्था० 12/2250—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इसके द्वारा निम्नलिखित स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दिये हुये काल तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० में०	नाम	काल	
		से	तक
1.	श्री वामन वासुदेव वैष्णवायन	2-4-75 (पूर्वाह्न)	5-6-75 (अपराह्न)
2.	श्री कृष्णपुरम रामन पिलै वेणुगोपालन नाथर	5-5-75 (पूर्वाह्न)	11-7-75 (अपराह्न)
3.	श्री थेकुकुर्षि वेलापुली राजन	6-6-75 (पूर्वाह्न)	11-7-75 (अपराह्न)

दिनांक 23 जुलाई, 1975

संदर्भ 5/1/75/स्था० 5/466—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इसके द्वारा श्री गिरधारी लाल श्रीवास्तव को 2 जून, 1975 से 5 जुलाई, 1975 तक के लिये अस्थाई रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जुलाई, 1975

संदर्भ 5/2/75/स्था० 5/493—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इसके द्वारा सहायक श्री जयत विष्वनाथ नाईक को 12 मई, 1975 से 27 जून, 1975 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शान्तकुमार मेनन,
उप-स्थापना अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० ई० 04390—वेधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एस० के० साहा, को 21 जून, 1975 के पूर्वाह्न से 2 मित्तम्बर, 1975 तक चौहत्तर दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करने हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एम० के० साहा प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन

मौसम विशेषज्ञ

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1975

सं० ए०-32013/2/75-ई०सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री बी० बी० बन्दोपाध्याय, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को 1 मार्च, 1975 (पूर्वाह्न) से 6 मास की अवधि तक या रिक्त पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हों, तदर्थं आधार पर नियंत्रक संचार के ग्रेड में वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट में नियुक्त किया है।

सं० ए०-38012/7/75-ई० एस०—नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, बंगलौर के कार्यालय के श्री एम० एन० अलासिंगरैचर, स्थानापन्न विमान निरीक्षक, ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1975 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए०-31013/2/73-ई० एस०—राष्ट्रपति ने 18 अक्टूबर, 1973 (पूर्वाह्न) से श्री ए० पी० एम० अरोड़ा, अंशोकन पाइलट का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सं० ए०-32013/13/73-ई० एस०—इस विभाग की 15 जून, 1975 की अधिसूचना सं० ए०-32013/13/73-ई० एस० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री एन० जॉन की विमान निरीक्षक के पद पर की गई तदर्थं पदोन्नति की अवधि 13 मई, 1975 के बाद 30 नवम्बर, 1975 तक या उनके द्वारा धारित पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

हरबंस लाल कोहली
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1975

सं० ए० 32013/4/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री बी० चेलप्पा को 7 जुलाई, 1975 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक विमान सुरक्षा के पद पर नियुक्त किया है।

तुलसी दाम ध्वन,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 23 जुलाई, 1075

सं० 1/321/75-स्था०—विदेश संचार सेवा की कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एन० के० दास को 17 जून, 1975 के पूर्वाह्न से और शाखामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियाल प्रबल्धक नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दाम्पते
महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 29 जुलाई 1975

सं० 16/244/75-स्थापना—श्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने श्री आर० श्रावण, ओवरसियर, दक्षिण वन राजिक महाविद्यालय, कोयम्बतूर को दिनांक 26 जून, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में सहायक अभियांत्रिकी व मर्केक्षण व्याख्याता महर्ष नियुक्त किया है।

प्रेम कपूर, कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

गुन्टूर, दिनांक 28 मई 1975
सीमा और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सं० 3—चिन्नलापुड़ी, एम० ओ० आर० में तैनात केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के श्रेणी-II के स्थानापन्न अधीक्षक श्री वाई० जी० राघवेन्द्रा राव का दिनांक 5 मई, 1975 को देहान्त हो गया

दिनांक 29 मई 1975

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग

सं० 4—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, श्री बी० बीरभद्र राव, को, अगला आदेश होने तक, समाहर्ता कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुन्टूर में स्थानापन्न लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियुक्त किया गया है। उन्होंने 24 मई, 1975 अपराह्न से गुन्टूर स्थित मुख्यालय में लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार मंभाल लिया है।

आई० जे० राव
समाहर्ता

पटना, दिनांक 19 जुलाई 1975

सं० II (7) 5-स्था०/75/7502—श्री एम० एन० सिंह, स्थानापन्न अधीक्षक, छित्रीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना अपने सेवा काल के समाप्त होने पर दिनांक 31-5-75 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त होए।

सं० II (7) 5-स्था०/75/7503—श्री के० पी० सिन्हा, स्वायी अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहतालय, पटना अपने सेवा काल के समाप्त होने पर दिनांक 30-6-75 के अपराह्न में सेवा-निवृत्त हुए।

दिनांक 25 जुलाई 1975

सं० II (7) 5-स्था०/75—इस कार्यालय के दिनांक 29 मई 1975 की अधिसूचना में निर्दिष्ट श्री ललू जी सहाय के नाम के बदले कृपया —श्री ललू जी—पढ़ा जाए।

एन० एन० साहू, समाहता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

दिल्ली-12, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 8/1975—श्रीमती वत्सला बेंकटेशन, रसायन सहायक डेढ़-I केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 को दिनांक 11 जुलाई, 1975 (पू०) से आगामी आदेशों के जारी

होने तक उसी प्रयोगशाला में रसायन सहायक परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनिक) रूप से नियुक्त किया गया है।

वे० सा० रामनाथन,
मुख्य रसायनश केन्द्रीय राजस्व

नौवहन और परिवहन मंत्रालय नव तूतिकोरिन पत्तन

तूतीकोरिन-4, दिनांक 14 जुलाई 1975

सं० ए० 22013/1-75/ए० डी० एम० एन०/डी०-3417—
मुख्य इंजीनियर तथा प्रशासक नव तूतीकोरिन पत्तन, नव तूतीकोरिन पसन के सर्वश्री एम० वेदमानिकाम, कनिष्ठ इंजीनियर तथा वी० जौस जयसिंह, कनिष्ठ इंजीनियर को क्रमशः 30 जून, 1975 के अपराह्न और 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए पदोन्नति पर ह० 650-30-740-35-810-इ० वी०-35-880-40-1000-इ० वी०-40-1200 के बेतनमान में सहायक इंजीनियर (सिविल) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

डी० प्राई० पाल,
मुख्य इंजीनियर तथा प्रशासक

मन्त्रिकार विभाग

भारतीय मन्त्रिकार अनुसंधान संगठन

श्री हरिकोट रेज केन्द्र

श्री हरिकोट सामान्य सुविधाएं

श्री हरिकोट रेज, दिनांक 26 जून, 1975

सं० एस० सी० एफ०/प्रार० एम० टी०/78—भारतीय मन्त्रिकार अनुसंधान संगठन को 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में बदल देने के बारे में सरकारी निर्णय के अनुसरण में, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गये पदों पर श्री हरिकोट रेज केन्द्र में 1 अप्रैल, 1975 से नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम	पद	ग्रेड
1.	श्री एम० श्रीनिवासुलु	सहायक क्रय अधिकारी	रु० 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200/-
2.	श्री एल० पी० राव	—यथोपरि—	—यथोपरि—
3.	श्री एस० के० बासु	सहायक प्रशासन अधिकारी	रु० 650-30-740-35-880-इ० रो०-40-960/-
4.	श्री के० डेविड	स्टेशन अधिकारी	—यथोपरि—
5.	श्री के० पी० चन्द्रशेखरन	इंजीनियर एस० वी०	—यथोपरि—
6.	श्री एस० शिवरामन	—यथोपरि—	—यथोपरि—
7.	श्री एन० श्रीनिवासन	—यथोपरि—	—यथोपरि—
8.	श्री पी० बालगंगाधरण	—यथोपरि—	—यथोपरि—
9.	श्री एम० वासुदेव मुदलियार	—यथोपरि—	—यथोपरि—
10.	श्री एन० एस० राजू	—यथोपरि—	—यथोपरि—

वाई० जनार्दन राव
परियोजना अधिकारी, एस०सी०एफ०

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-38 0009, दिनांक 5 जुलाई 1975

सं० एम० ए० सी०/ई० एम० टी०/1.1.56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रृप में श्री इंजीनियर गृपा को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (प्रस्तुति उद्धोषक) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-10-1200 के वेतनमान में रु० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 5 जून, 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 जुलाई 1975

सं० एम० ए० सी०/ई० एम० टी०/1.1.56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रृप में श्री इंजीनियर/सहायक एस० बी० (ध्वनि अभिलेखक) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650/- प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 21 अप्रैल 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० एम० ए० सी०/ई० एस० टी०/1.1.56/75—सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, बम्बई से प्रतिनियुक्ति पर आने पर, श्री एच० पी० श्रीवास्तवा, सहायक अभिलेखक ने भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, बम्बई में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (ध्वनि अभिलेखक) के पद का कार्यभार 11 फरवरी, 1975 से 10 फरवरी, 1977 तक के लिए संभाल लिया है।

सं० एम० ए० सी०/ई० एस० टी०/1.1.56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रृप में श्री अनुल जी० देसाई को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (सहायक संगीत निदेशक) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 775/- प्रति मास के मूल वेतन पर दिनांक 11 जून, 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1.1.56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रृप में श्री निवाम को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (कैमरामन) के पद पर रु० 650-30-750-35-810-द० रो०-35-880-40-1200 के वेतनमान में रु० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 19 जून, 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1.1.56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रृप में श्रीमती शोभा एन० मोदी को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (प्रस्तुति उद्धोषक) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1100-द० रो०-

40-1200 के वेतनमान में रु० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 7 जून, 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० एम० ए० सी०/ई० एम० टी०/1.1.56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रृप में श्री मुख्यमिश्नियर को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (ध्वनि अभिलेखक) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 21 अप्रैल 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

भेजर श्रा० सी० सेमुश्रा० (सेवा निवृत्त) प्रगामन अधिकारी-II

केन्द्रीय जल आयोग

दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1975

सं० क०-19012/514/74-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री बी० वाई० राममूर्ति को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में 14 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री राममूर्ति ने उपरोक्त तारीख तथा समय से सी० एफ० प्रभाग, पोचम्पाद बीथस्थल केन्द्रीय जल आयोग के अन्तर्गत सी० एफ० एफ० उप प्रभाग, पैथन (जिसे श्रव गजमुन्दरी में स्थानांतरित कर दिया गया है) में सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० क-19012/415/73-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग ने अपने प्रसाद से डा० अंजीत कुमार सेन डाका सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायनिक ग्रृप) के पद से दिया गया त्यागपत्र 1 फरवरी, 1974 से स्वीकार कर लिया है।

सं० क-12017/1/72-प्रशा० 5 (खण्ड-दो) — इस आयोग की अधिसूचना सं० क-12017/1/72-प्रशा० 5 (खण्ड-दो), दिनांक 18-4-75 के त्रय में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्न-लिखित अनुसंधान सहायकों को सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिक ग्रृप) के ग्रेड में केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में पुनः प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए नियुक्त करते हैं :—

1. श्री डी० डी० सोनी—1-4-1975 से 25-5-1975 (अपराह्न)

2. श्री रणजीत दत्त—1-4-75 से 25-5-75 (अपराह्न)

सं० क-12017/1/72-प्रशा० ५(खण्ड-दो)---इस आयोग की अधिसूचना सं० क-12017/1/72-प्रशा० ५(खण्ड-दो), दिनांक 18 अप्रैल, 1975 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक रसायनिक ग्रुप) के ग्रेड में केन्द्रीय जल आयोग में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में पुनः प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए नियुक्त करते हैं :--

1. श्री एम० भौमिक---1-4-75 से 30-9-75
2. श्री एम० पी० नम्बूदरी---1-4-75 से 30-9-75
अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो।
3. श्री एस० ए० बाशा---1-4-75 से 3-6-75 (अपराह्न) में 4-6-75 (पूर्वाह्न) से प्रत्यावर्तित हो गए हैं।

केंद्रीय विजली प्राधिकरण
कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विजली प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1975

सं० 6/2/75-प्रशासन—अध्यक्ष, केन्द्रीय विजली प्राधिकरण एतद्वारा केन्द्रीय विद्युत् इन्जीनियरी श्रेणी-2 सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इन्जीनियरी के ग्रेड में निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को उनके नामों के आगे दिखाई गई तिथियों से, अन्य अद्वेष होने तक, नियुक्त करते हैं :--

1. श्री विजय कुमार---7-6-75 (पूर्वाह्न)
2. श्री एन० पी० श्रीवास्तव---12-6-75 (पूर्वाह्न)
3. श्री पी० एम० सिंह---1-7-75 (पूर्वाह्न)
4. श्री एम० सिद्धीकी---5-7-75 (पूर्वाह्न)
5. श्री बुज किशोर---30-6-75 (पूर्वाह्न)

मूल शंकर पाठक,
कृते अध्यक्ष

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० 7—उत्तर रेलवे, परिचालन (यातायात) और वाणिज्य विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, प्रत्येक के सामने दी गयी तारीख से रेल गेवा रो रोवा-निवृत्त हो गयी है :--

कम सं०, अधिकारी का नाम तथा सेवा-निवृत्त की तारीख

1. श्री डी० के० उपाध्याय, सहायक परिचालन अधीक्षक, मुरादाबाद---30-4-1975 (अपराह्न)।

2. श्री एम० एल० अवे, सहायक वाणिज्य अधिकारी, प्रधान कार्यालय---30-4-1975 (अपराह्न)।
3. श्री महेन्द्र मिह, मंडल संरक्षा अधिकारी, नई दिल्ली---30-6-1975 (अपराह्न)।

ह० अपठनीय
महाप्रबन्धक,
उत्तर रेलवे

मध्य रेल

बम्बई बी० टी०, दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/II/उल्लू०—सिविल इंजी-नियरी विभाग के द्वितीय श्रेणी के निम्नलिखित अधिकारियों को उसी विभाग में सहायक इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) के पद पर उनके सामने लिखी तारीख से स्थायी किया गया है :

कमांक, नाम तथा स्थायी करने की तारीख

1. श्री जे० एन० नाग०---1-3-1974
2. श्री जे० डी० कपूर---1-4-1974

बसंत दयाल मेहरा,
मद्दाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स कोलोरेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० 560/328—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स कोलोरेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक
गुजरात राज्य अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री नारायण इन्डस्ट्रियल एण्ड ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में

एरनाकुलम, दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० 1655/लिक०/7225/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री नारायण इन्डस्ट्रियल एण्ड ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 कविधि प्लान्टेशन लिमिटेड के विषय में

सं० 2351/लिक०/7212/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि, क्लियलाइल प्लान्टेशन्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

पी० एस० अन्बार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1958 और कमलेन्द्रा इन्जीनियरिंग इन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जैपुर, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० स्टैट०/1419/5347—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कमलेन्द्रा इन्जीनियरिंग इन्टर प्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

आर० डी० कुरील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान, जैपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री कृष्णा मेरकेटेल एजन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1975

सं० 2439/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री कृष्णा मेरकेटेल एजन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 और मणी चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 3533/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मणी चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोयमबद्दूर महालक्ष्मी एजन्सीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 4411/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोयमबद्दूर महालक्ष्मी एजन्सीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री सेलवमुत्तु कुमारस्वामी बस सर्वीसेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 4643/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री सेलवमुत्तु कुमारस्वामी बस सर्वीसेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टाईल्स एण्ड फ्लोरिंगस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2936/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टाईल्स एण्ड फ्लोरिंगस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

एस० श्रीनिवासन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्रखण्ड ग्राही० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।
लखनऊ, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० 68-एस०/अर्जन—अतः, मूले, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं०— है तथा जो जिला बिजनौर में स्थित है (और
इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बिजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24 दिसम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह और अन्य (अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एप्पलीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में व्यापकरणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक घाट (भूमि पूर्ण स्वामित्व) जो कि जिला बिजनौर में
स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ ।

तारीख : 18-7-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० व्य० 23-1-615 (207)---यतः,
मृग्ने, जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सब नं० 67, 68 सब 'लाट नं० 9 एफ० पी०
नं० 387 टी० पी० एस० नं० 19 है तथा जो नवरंगपुरा अहमदा-
बाद में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 20 दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दोन्तदेन कुंवरजी उमरीगर महाराठु सोसायटी
सोटाखली अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. आनंदीनी फैलेट्स कौ-आप्रेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
रजिस्टर्ड आफिस : हंसा विला, नवरंगपुरा आसिंग के
निकट, अहमदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क
में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीनी वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 441 वर्ग
गज है और जिसका सर्वे नं० 66, 67 सब प्लाट नं० 9 एफ० पी०
नं० 387 तथा टी० पी० एस० नं० 19 है और जो नवरंगपुरा
अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद।

तारीख : 25 जुलाई 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जुलाई 1975

निर्देश सं० 12-(य०)/अर्जन—यतः, मृत्ति, विश्वास नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7/252 है तथा जो मुहूला सेन पुरा में स्थित
है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, वाराणसी में भाग्नीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-12-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार
अन्तरिक्ष की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तपाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
कायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|--------------------------------------|---------------|
| 1. श्री सुरेन्द्र नाथ गुप्ता और अन्य | (अन्तरक) |
| 2. श्रीमती उर्मिला देवी और अन्य | (अन्तरिक्षीय) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 7/252 का शाधा भाग जो कि मुहूला
सेन पुण जिला वाराणसी में स्थित है।

विश्वास नाथ,
सक्तम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख : 19-7-75

मोहर :

प्रह्लाद शाह० दी० एन० एस०-----

1. श्री चन्द्र किशोर खना

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

2. श्री चन्द्र कुमार शाह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जुलाई 1975

निर्देश सं० 15-सी०/अर्जन—यतः, मुझे, विषम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-59/37 है तथा जो मुहल्ला मामूर गंज में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ पारु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नं० डी०-59/37 जिसका 1/5 और जिसमें जमीन भी है जिस पर पेंड है, मुहल्ला मामूर गंज वाराणसी में स्थित है।

विषम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख : 19-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

1. श्रीमती उमा खाना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 15-सी०/अर्जन—यतः मुझे विश्वम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० डी 59/37 है तथा जो मुहल्ला मासूर गंज में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-12-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

3-206GI/75

2. श्री चन्द्र कुमार शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० डी०-59/37 जिस का 1/5 भाग
जो कि मुहल्ला मासूर गंज वाराणसी में स्थित है। और जिस कुछ
जमीन और पेंड भी है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 19-7-1975

मोहर :

प्र० श्री अन्तरका०

1. श्री अन्तरका०

(अन्तरका०)

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती प्रभा रानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जूलाई 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

तिर्देश सं० ३५-पी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन उक्त सम्पत्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी रो० है तथा जो चौक चुनार जिला मिर्जापुर में स्थित है (और इसमें उत्तर अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीडर्ड अधिकारी के कार्यालय मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोर्वर्तीक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक तौर पर कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सम्पत्ति (जायदाद) जिसका विवरण निम्न है :—

1. एक सिनेमा बिल्डिंग जो चौक चुनार मिर्जापुर में स्थित है।
2. एक मकान जो साधपुर चुनार मिर्जापुर में स्थित है।
3. एक मकान खंडहर जो चौक चुनार मिर्जापुर में स्थित है।

विश्वास नाथ,
सम्पत्ति के प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 18-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सुरेन्द्र नाथ गुप्ता ग्रांट अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रह्लाद दास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जुलाई 1975

निर्देश सं० 35-पी०/अर्जन—यतः मुझे विश्वम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
उपचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 7/252 है तथा जो मो० सेनपुरा, वाराणसी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मरात नं० 7/252 का ओरा भाग जो कि मो० सेनपुरा,
वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 19-7-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष्ठ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1975

निर्देश सं० श० ई० ५/२२५/२१/७४-७५—यतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज ५ बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष्ठ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० न० ७४२/४ और ७४२/५ है, जो मुलुंड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ५-१२-१९७४

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष्ठ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष्ठ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ग्लोब आये इलेक्ट्रीकल्स लि० (अन्तरक)

2. ग्लोब स्टीरीोग्राम लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में मुलुंड में स्थित भू-स्थल का वह तमाम टुकड़ा जिसका सर्वेक्षण न० ३७२-डी० (अंश) और ३७२-बी (अंश) है और अभी जिसका नगर-सर्वेक्षण न० ७४२/४ और ७४२/५ जो परिमाप में ९९७४. ०६ वर्गमीटर या आसपास है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर में ग्लोब आटो इलेक्ट्रिकल्स लि० की जायदाद जिसका सर्वेक्षण न० ७४२/१ से ३ है, द्वारा, दक्षिण में नगर सर्वेक्षण न० ७३९, ७४०, ७४४ और ७४६ की जायदाद द्वारा, पूर्व में नगर सर्वेक्षण न० ७४१ और ६८८ की जायदाद द्वारा, और पश्चिम में ग्लोब आटो इलेक्ट्रिकल्स लि० की जमीन जिसका नगर सर्वेक्षण न० ७४२/२ और ३ और भू-भाग जिसका सर्वेक्षण न० ८५३ और ७४३ एवं म्युनिसिपल डिप्पिंग रोड द्वारा।

ज० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज ५ बम्बई।

दिनांक : 29 जुलाई, 1975।
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

26९-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक, 28 जुलाई, 1975

निदेश सं०आर०ए०सी० 87/75-76—यतः मुझे आर०रंगथा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 26९-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16-9-685/1 पुराना मलकपेट है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
12-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 26९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26९-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सव्यद सईद अहमद,	16-9-685/1 पुराना मलकपेट हैदराबाद (अन्तरक)
(2) श्रीमती रशीया बगम्	
(3) श्रीमती रशीदा बेगम्	

2. श्री सव्यद इक्राहिम पुत्र सव्यद मीरान 16-9-685/1,
पुराना मलकपेट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वाय ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 16-9-685/1 का निचला मजिला पुराना मलकपेट,
हैदराबाद में स्थित है।

आर० रंगथा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(भार साधक)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

विनांक : 28-7-1975

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस० —

1. श्री जयन्त्रकुमार बामत वाद और अन्य। (ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० अ० ई० 2/1088/3014/75-76—यतः मुझे, एम० जे० माथन्, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० अंतिम प्लाट नं० 90 हि० नं० 2 सी० टी० एस० नं० एच०/172 है, जो गांव दांडा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्तीतः—

2. श्रीमती रामटिकाय एस० माकन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का यह तमाम भूभाग का भूस्थल और जगहें जो बृहत्तर बम्बई, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर के गांव दांडा, फिरोजाहां स्ट्रीट, सांताकूज (पाठिंचम) में भौजूद एवं अस्थित हैं और माप में 2809.40 वर्ग मीटर (समक्ष 3360 वर्गजग) या आसपास है जिसका पिछला टी० पी० प्लाट नं० 20-एफाइनल प्लाट नं० 90 अभी टाउन प्लानिंग स्कीमी सान्ताकूज में चार प्लाटों में उपविभाजित, जिस भूमि के सर्वेक्षण नं० 57 का हिस्सा नं० 2 गांव दांडा सी० टी० एस० नं० एच०/172 है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से श्रीमती दुलभजी देसाई की जायदाद अंशतः फाइनल प्लाट नं० 92 व्दारा दक्षिण की ओर से पिछले प्लाट नं० 20 वी और अभी फाइनल प्लाट नं० 89 टी० पी० एस० सान्ताकूज व्दारा, पूर्व की ओर से पश्चिम रेलवे की जायदाद व्दारा और पश्चिम की ओर से पब्लिक रोड़ जो फिरोजाहां स्ट्रीट से नाम से जात है व्दारा।

एम० जे० माथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्त रेंज 2, बम्बई।

दिनांक : 24 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 86/75-76—प्रतः मुझे, आर० रंगम्भा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16-9-685/1 पुराना मलकपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाहत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या ग्रन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1. श्री सम्यद सर्वे अहमद 16-9-685/1, पुराना मलकपेट, हैदराबाद
2. श्रीमती रक्षीया बेगम (अन्तरक)
3. श्रीमती रणीदा बेगम

2. श्री सम्यद इशाख पुत्र सर्वे० सम्यद भीरान 16-9-685/1, पुराना मलकपेट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 16-9-685/1 का पूरब का भाग जो पुराना मलकपेट, हैदराबाद में स्थित है।

आर० रंगम्भा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(भार साधक)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 28 जुलाई 1975।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 79/75-76:—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० दुकान नं० 31 युनिटी हाउस है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री महावीर परसाद अग्रवाल, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

युनिटी हाउस ईमारत में नल मजले पर दुकान नं. 31, एविड रोड, हैदराबाद।

के०एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 11 जुलाई, 1975

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 73/75-76:—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी नं० 15-9-608 से 611 महबूब गंगा है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में और^{पूर्ण रूप से वर्णित है}), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 16-12-1974

को बूर्झाकरण के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृष्टव्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टव्यान प्रतिफल से ऐसे
दृष्टव्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पांच या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के
लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ततः—

4—206 GI/75

1. श्री एम० वीरया पुत्र बालद्या, 8-1-244 शेखपेठ,
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री दुर्गप्रसाद साहेब पुत्र तारगच्छ 14-6-241, चूड़ी
बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये कार्डवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रका ईमारत नं० 15-9-608 से 15-9-611, जिसका
उपर भाग का नं० 15-9-584 जिसमें एक गुदाम है, नं०
15-9-583, महबूबगज, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट राम
संख्या प्राधिकार
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 67/75-76:—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है
और जिसकी सं० 4-3-397 से 402 तुप बाजार है, जो हैदराबाद,
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्डह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. श्रीमती तोड़ाबाई मुख्तार नामादार श्री गणेश प्रसाद
4-1-305, तुप बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नीरज प्रसाद अवस्थक पालकमाना द्वारा चन्द्रीका
बाई, 4-1-305, तुप बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कोरेवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

न० 4-3-397 से 402, क्षेत्रफल 97.73 वर्ग मीटर्स,
तुप बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 9 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 65/75-76:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-1-482 से 484 जामबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

16-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —

1. श्री बी० एन० गंगा खड़ेकर के०/आफ बी० जे० देशमुख,
2-1-58, नला कुटा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री बन्सी प्रसाद स्थिवस्तावा लोहरथूलपेठ, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शास्त्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

नं० 5-1-482 से 484 का भाग, जामबाग, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9 जुलाई, 1975

मोहर :

प्र० रुपा आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 74/75-76:—यतः, मुझे, के०
एस०, वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 11-5-294 से 295 रेड हिल्स है, जो हैदराबाद
में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
11-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(६) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहकतः:—

1. (1) श्री मीर मुक्काफर अली खान पुल खनौतीश
मीर बासिथ अलीखान (2) मीर आजम अली खान पुल
खनौतीश मीर बासिथ अली खान। (अन्तरक)

2. अब्दुल खूर सिद्दिकी पुल श्री मजीर हुसैन तिद्दिकी,
नं० 11-5-294 रेड हिल्स, हैदराबाद (अन्तरकी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी तथा मकान नं० 11-5-294 और 295, रेड हिल,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 11 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 66/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-3-403 से 405 तुप बाजार में है, जो हैदरा-
बाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 23-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यक्षपूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है
और अत्यरिक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन वा अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया वा या किया जाना चाहिए वा,
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तोड़ा बाई मुख्तार नामादार द्वारा श्री गणेश
प्रसाद 4-1-305, तुप बाजार, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमती (1) रूपा बाई पत्नी रामनाथ (2) सूर्य-
प्रताप पुत्र रामनाथ 5-9-893 गनफौडरी, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापक रूप से
हैं, वहीं अंग होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

नं० 4-3-403 से 405, तुप बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9 जुलाई, 1975।

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 62/75-76--यतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938 तिलक रोड है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद म
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 15-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं सर्व तीन एसेस, तिलक रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री उसमान पुत्र सालेह बेपारी आरम्भ, निजामाबाद
जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जमीन, पहला मंजिला जो 'बेनुल अमन' का भाग
है नं० 4-1-938, क्षेत्रफल 38.08 वर्ग मीटर्स, सामने का सड़क,
और मोटर रखने की जगह, जो तिलक रोड हैदराबाद में
स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 9 जुलाई 1975

मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 63/75-76—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० 4-1-938 तिलक रोड है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद, में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स, तीन एमेंस, तिलक रोड, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्री सुलेमान पुत्र सालेह बेपार बीआरमूर, निजामाबाद
जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिष-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जमीन, पहला मंजिला, जो 'बेतुल अमन' का
भाग क्षेत्रफल 38.08 वर्ग मीटर्स, जो तिलक रोड, हैदराबाद में
स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9 जुलाई, 1975।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 60/75-76:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-938 तिलक रोड़ है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब्लेम अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स तीन एसेंस, तिलक रोड़, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) अली (2) उत्तमान (3) सुलेमान (4) जुबेंटी बेसम पत्नी सुलेमान आरम्भ पुत्र सालेह निजामाबाद जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान तथा सिडी नई बनाई हुई और जमीन तथा पहला मंजिला और सिडी जो "बेतुल अमन" से जानकार है जिसका न० 4-1-938, क्षत्रफल 42 वर्ग गज, तिलक रोड़, हैदराबाद म स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,

सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9 जुलाई, 1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निदेश सं० आर० ए० सी० ६८/७५-७६—पतः मुझे, के०
एस० वेक्ट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० 4-3-396 तूप बाजार है, जो हैदराबाद में स्थित
है और जिसकी सं० 4-3-396 तूप बाजार है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और हस्ते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वातावरिक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने
के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में
सुविधा के लिए;

असः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-206GJ/75

1. श्रीमती तोड़ा बाई सुखातार नामादार द्वारा श्री गणेश
प्रसाद 4-1-305, तूप बाजार हैदराबाद (अन्तरक)।

2. श्री रिशी राज जैस्वाल अवस्थक पालक माता रामेश्वरी
बाई, 4-1-1203, वर्मूल कुटा, हैदराबाद (अन्तरिती)।

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे
में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

ल्यास्ट्रीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मं० 4-3-396, क्षेत्रफल 64.66 एकड़ी मीटर्स, तूप बाजार,
हैदराबाद।

के० एस० वेक्ट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-75
मोहर :

ब्रह्मपुर आई० टी० एन० एस०

1. मैसरें नीन सिस, तिलक रोड हैदराबाद।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० अट० ए० सी० 61/75-76—पदः मुझे के० ए४०
बैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की वारा 269-ग के अधीन सक्रम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938 तिलक रोड है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उत्तरद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीर्घ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब का किसी बन का अन्व भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की वारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवति :—

(अन्तरक)

2. अली पुल सोलह ब्रेपारी, आरमूर, निजामाबाद जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वरणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रा-
षित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, तथा जमीन और पहला मंजिला पविमी के बाजू
जो 'बेतुल अमन' से पहचाना जाता है नं० 4-1-938, क्षेत्रफल
51.89 वर्ग मीटर्स, तथा सामने का सड़क और मोटर रखने
की जगह उपयोग करने की है।

के० ए४० बैकट रामन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-75

मोहर :

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 11 जुलाई 1975

सं. आर० ए० सी० 81/75-76—पत्र के० एस० बैंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्व०/न० 38911 कडपालपाड़ु है, जो इन्द्रकूम्हेट में स्थित है (श्री इस उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, इन्द्रकूरेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(अन्तरक)	
(1) गंडावारपु पोली रेडी	गुडेपल्लीपाडु मोजा
(2) „ बोईरेडी	नेल्लूर तालूक
(3) रानमाला पिचमा, कोतवालावा, नेल्लूर त्यसूक	
(4) कलम्बका रंगपा	कोतवाला मोजा
(5),, रमनपा	नेल्लूर तालूक
(6),, नरसिंहम,	
(7) डोस्तु बीरपा	
(8),, सुन्दारामया	——इ—
(9),, रमनपा	
(10) रमनपा पुलद्रुच्छया	
(11),, नारायण, वेंकया	
(12),, वेंकुरेडी अवस्थक पालक वेंकया	
(13),, वेंकया, गुडेपल्लीपाडु मोजा, नेल्लूर तालूक	

(अन्तरिती)

श्री डोडला शेशारेडी, मैनेजिंग डायरेक्टर, श्रीराम सेल्युक्स (प्राइवेट) लिमिटेड, नेल्लूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमाप होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में स्थित व्यक्ति अन्य व्यक्ति होता, वधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कडपालपाड़ु पत्थामन, इन्द्रकूरेट में सर्व० न० 389/1, पटा न० 43, सुचा जमीन 5 एकर 31 सेन्टस

के० एस० बैंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

क्रमांक : 11-7-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12 फरवरी, 1975

सं० आर० ए० सी० 148/74/75—यतः युक्ते के० एस०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-145/4/ए हिमायत नगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपग्राहा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रद्धातः—

1. श्री जी० महेंपाल रेडी पुत्र जी० नारायण रेडी 3-6-573 हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरक) ।

2. डा० प्रकाश वेणपांडे पुत्र रामचन्द्र राव 3-6-145/41A, हिमायत नगर, हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति—दुमजला इमारत नं० 3-6-145/4/ए हिमायत नगर हैदराबाद क्षेत्रफल 114 वर्ग मीटर

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-3-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एस० 1/एस० आर०-III/
जनवरी-1/576 (13)/74-75—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ए० 22 है, जो साउथ एक्सटेण्ट स्कीम पोर्ट-1,
रिंग रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उत्तरद्वारा अनुसूची में
पूर्व से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० मनमोहन राज सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस०
गुरबचन सिंह, निवासी 60/30, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली (अन्तरक)।

2. श्री जिदा लाल जैन, सुपुत्र श्री० वलबन्द सिंह जैन, निवासी:
मकान नं० 877, ईस्ट पार्क लैन, करोल बाग, नई दिल्ली-5
(अन्तरिती)।

3. श्री एन० के० जैन (प्रथम यंजोल) श्री वेदप्रकाश (बरसातीं
मंजील) साउथ एक्सटेण्ट स्कीम पार्ट-1, रिंग रोड, नई दिल्ली;
व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोश:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्गित बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट के अधिकारी क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जो 2½
मंजिला बिल्डिंग के साथ बना है जिसका नं० एफ-2 है तथा जोकि
साउथ एक्सटेण्ट स्कीम पार्ट-11, रिंग रोड, नई दिल्ली में निम्न-
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लैन

उत्तर : प्लाट नं० एफ० 23

दक्षिण : प्लाट नं० एफ० 21

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-दिल्ली नई दिल्ली-1,

दिनांक : 9 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ; दिनांक 19 जुलाई 1975

निर्देश सं० 15-सी-अर्जन—अतः मुझे विश्वास्थर नाथ प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डी०-59/37 है तथा जो मुहल्ला भामूरगंज में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ता:—

1. श्री राजकुमार खन्ना (अन्तरक)।

2. श्री चन्द्र कुमार शाह (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नं० डी०-59/37 का 1/5 भाग जो कि मुहल्ला भामूर गंज जिला वाराणसी में स्थित है।

विश्वास्थर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 19-7-75

मोहर :

प्रलेप शाह० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-11, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निवेश सं० एल० सी० सं० 44/75-76 :—यतः मुझे,
एम० एम० कुरुप आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त
अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० संलग्न अनुसूची के अनुसार है तथा जो तिल्वनन्त-
पुरम के श्रियरानिपट्टम विलेज में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चालौ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 नवम्बर,
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पलदङ्ह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एल० अंविकाकुम्भमा, लक्ष्मी के पुत्री, मातृर
शक्तिरमन्तरम, पुन्नप्रा, (अन्तरक)

2. (1) श्री पी० नारायणन नायर, प्रोप्राइटर, एम०
पी० टेलिग्राफ एन्ट व्यारलैस कालेज, तिल्वनन्तरम।

(2) श्री बानुमति अम्मा, श्री नारायणन नायर के पत्नी,
अट्टकुलंगरा, तिल्वनन्तपुरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तिल्वनन्तरम के अन्तरिती
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिवेन्द्रम जिला, तिवेन्द्रम तालुका के श्रियरानिमट्टम विलेज
के सं० सं० 71/1 और 39/24 में 25.585 सेन्ट्स भूमि।

एम० एम० कुरुप,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

तारीख : 4 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1975

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-638 (208) /1-1/
75-76 :—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 105, टी० पी० एस० नं० 3
है, तथा जो शेखपुर खानपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 दिसम्बर,
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ह और मुझे
मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदय किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पार्वनाथ लेन्ड आर्गेनाइजेशन के हेतु तथा उसकी ओर
से (1) श्री कीरीट कुमार पुर्खोलम बास पटेल, हरिसिंध कुपा
सोसायटी, नारणपुरा, अहमदाबाद (2) श्रीमती इन्दीराबेन
नविन भाई पटेल, दिनेशनगर सोसायटी, नारणपुरा, रेलवे कासींग के
निकट, अहमदाबाद (3) श्री प्रविण भाई चुनीभाई पटेल, दिनेश-
नगर, सोसायटी नारणपुरा रेलवे कासींग के निकट, अहमदाबाद
(4) श्रीमती सूरज बेन चुनीभाई पटेल, दिनेशनगर, सोसायटी
नारणपुरा रेलवे कासींग के निकट, अहमदाबाद (5) श्री डाह्या
भाई मोती भाई पटेल हसमुख कालोनी, नारणपुरा संघवी हाई
स्कूल के निकट, अहमदाबाद (6) श्रीमती प्रभावेन मुकेश भाई
पटेल हरिसिंध कुपा सोसायटी, नारणपुरा, अहमदाबाद, (7)
श्री उमेद भाई मोती भाई पटेल हसमुख कालोनी नारणपुरा, संघवी
हाई स्कूल के निकट, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) मोहन हाउसींग कारपोरेशन रीलिफ रोड, जफरीया
मसजिद अन्तर्काल पुलिस चौकी के सामने, अहमदाबाद - 1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री
के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकारण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत का 2.78 प्रतिशत अविभक्त हिस्सा (39.1
वर्ग मीटर) (420.6 वर्ग फीट) जो पार्वनाथ चैम्बर्स के मूमकीय
मंजले पर स्थित है और जिसका कायानल प्लाट नं० 105, टी० पी०
स्कीम, नं० 3 है और जो शेखपुर खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख: 6-8-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1975

निदेश सं० 229/ए० सी० क्य० 23-346/19-7/74-75 :—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० रे० स० नं० 71 का हिस्सा है, तथा जो मजूरा, वा० चौरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—206GI/75

(1) श्री ठाकोरभाई भोजाभाई देमाई संग्राम पुरा, क्षंडा शोरी, सूरत। (अन्तरक)

(2) श्री जयश्री जलाराम इंडस्ट्रीयल को० आपरेटिव सर्विस सोसायटी की ओर से :

चेपरमैन : नवीन चन्द्र चिमन लाल,
मानक मैनेजर : भोगीलाल तुलसी दास बनकर
कमटी मैनेजर : जगदीश चन्द्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, रे० सर्वे नं० 7 पैकी 18005 वर्ग गज जो उहाना मगदूला रोड, मजूरा, ता० चौरासी, जिला : सूरत में स्थित जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, सूरत के जनवरी, 1975 के रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 28 में निर्देशित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 4 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रारूप आई०एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1975

निदेश सं० 230/ए० सी० वय० 23-426/15-2/74-75:-

यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 454 हिस्सा नं० 1 सिटी सर्वे० नं० 674 पैकी हेक्टर 0-91-05 है, तथा जो देवगढ़ बारिया, जिला, पंचमहल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोधरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 जनवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख). ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नटवर लाल चिमन लाल दलाल चूतरा येरी,
देव गढ़ बारिया
(अन्तरक)

(2) श्री बारिया ह्यूम पाईप इंडस्ट्रीज, देवगढ़ बारिया की
ओर से उसके भागीदार :—

1. बिपिन चन्द्र, चिमनलाल दलाल
2. नटवर लाल चिमन लाल दलाल
3. रमेश चन्द्र ओलवलाल दलाल
4. परवीन चन्द्र शान्ती लाल दलाल
5. सूर्यकान्ताबेन कनैया लाल दलाल
6. रमण लाल शंकर लाल पटेल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 454/1 सिटी सर्वे० नं० 674 कुल माप हेक्टर 0-91-05 है और जो देवगढ़ बारिया, जिला सूरत में स्थान है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गोधरा के 21-1-75 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 75 में निर्देशित है।

पी०एन० मित्तल,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1975

सं० आर० ए० सी०

/ 75-76:—यतः मुझे, आर०

रमव्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9-4-102 मंगलेवन्डला स्ट्रीट है, जो गढ़वाल में स्थित है (शौर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़वाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मलकूर बासम्मा पत्नी असफा, गढ़वाल-509125
(अन्तरक)

2. श्री ढी० के० सत्यारेहुी पुत्र कृष्ण रेहुी मैनेजिंग डायरेक्टर, सत्यम् स्थान पाइप और आग्रो इंडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड, गढ़वाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 9-4-102 मंगलेवांडला स्ट्रीट, गढ़वाल, महबूबनगर जिले में स्थित है।

आर० रमव्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
(भारसाधक),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7 अगस्त, 1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०——

आमकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 2 अगस्त 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3514/74-75:—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 78 है तथा जो विजनापुरा (कोतूर)
गांव क्रिष्णराजपुर होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर सौत तालुक दस्तावेज नं०
7630/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 28-12-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम या' धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अर्थात् निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रिसिशन इनजनीयर्स, 78 ओलन्जी मद्रास डोर,
दूरवानीनगर, बैंगलूर-16 भारीदार टी० एन० नरसिमहा और
टी० टी० जगन्नाथन । (अन्तरक)
2. श्री टी० टी० (प्राहवेट) लिमिटेड 78, ओल्ड मद्रास
रोड, दूरवानीनगर, बैंगलूर-16 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन, इमारतें, दुकानें इत्यादि—सर्वे नं० 78 एक एकड़ 36
गुनटे (जगह य० प० 24 फीट, उ० द० 64 फीट छोड़कर) जो
विजनापुरा (कोतूर गांव) क्रिष्णराजपुरम होब्ली, बैंगलूर सौत
तालुक ।

सीमा

उत्तर : ओल्ड मद्रास रोड ।

दक्षिण : नाला और दूसरों की जमीन,

पूर्व : दूसरों की जमीन,

पश्चिम : दूसरों की जमीन ।

दस्तावेज नं० 7630/74-75 ता० 28-12-74 ।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 2 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1975

निवेश सं. सि० आर० 62/3515/74-75:—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 127 है तथा जो हूँडि गांव, के० आर०, पुरम होब्ली बैंगलूर सौत तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर सौत तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 30-12-1974, दस्तावेज न० 7672/74-75

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) ननजम्मा (2) यशोदम्मा (3) हेच० गोपाल रेड्डी (4) हेच० राधब रेड्डी (5) हेच० बलरामा रेड्डि हूडि गांव क्रिष्णराजपुरम होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक। (अन्तरक)

2. श्री बी० जी० अस्वत सपुत्र लेट गनगप्ता न० 721, I स्टेज, इन्दिरानगर, बैंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे न० 127-4 एकड़ 31 गुन्डे हूँडि गांव, के० आर० पुरम होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक।

दस्तावेज न० 7672/74-75 ता० 30-12-74

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 30 जुलाई, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 30 जुलाई, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3533/74-75:—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/3 ऐ० है तथा जो कारितिम्मनहल्ली, अश्वतकट्टे रोड, मैसूर रोड क्रास, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि, बैंगलूर-4, दस्तावेज नं० 4135/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) जी० रामक्रिण नायडु सुपुत्र सी० चिन्मस्व
नायडु (2) पी० दामोदरन सुपुत्र पेरिसामी पिल्लाय भागीदारै
आर० डी० इंजीनियरिंग वर्क्स, 63, मनवर्नपेट, सुलतानपेट
कास, बैंगलूर-2। (अन्तरक)

2. श्री सत्यानकर ट्रेड्स, 45 बैरिसन्ड रोड, तिलकनगर
बैंगलूर-4, पावर आफ अटारनी एस० जी० सत्यनारायण राव
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिप्रयोगः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 12/3 ऐ० (जिविशन 24) कारितिम्मनहल्ली
अश्वतकट्टे रोड (मैसूर रोड क्रास) बैंगलूर।

क्षेत्रफल 70'×70'= 4900 वर्ग फीट

सीमा:

पूर्व : सैट नं० 12/3 ऐ० मिनिहुचपा का एक भाग

पश्चिम : अश्वतकट्टे रोड

दक्षिण : रोड और क्यालनगर मशीन फ्लाकटरी

उत्तर : रोड

दस्तावेज नं० 4135/74-75 ता० 16-12-74

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 30 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 2 अगस्त, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3671/74-75:—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रज्ञन रेंज बैंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 24 है तथा जो बैरसन्द्र, I ब्लाक ईस्ट, जयनगर,
बैंगलूर-11, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर,
बैंगलूर-II, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दस्तावेज नं० 3413/74-75 ता० 30-12-1974
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्दातः:—

1. श्री बाबाजान अली सपुत्र उसमान अली 27, खाजो
स्ट्रीट, बसवनगुडि, बैंगलूर-4। (अन्तरक)
2. श्री अब्दुल हमीद खान सपुत्र अब्दुला खान के० 40
अपस्टेर, सिंहगोडा स्ट्रीट, बैंगलूर-4। (अन्तरिती)
3. हमीद पाशा
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न० 24, बैरसन्द्र, I ब्लाक ईस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11
क्षेत्रफल यू० ४० प० ४०', उ० द० ४३' १७२० वर्ग फीट।
सीमा

पूर्व : ननजम्मा का घर

पश्चिम : लेन और प्रसाब का घर

नार्थ : लेन और शाश मारथ्या का घर।

दक्षिण : रोड।

दस्तावेज नं० 3413/74-75, ता० 30-12-74।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 2 अगस्त, 1975।

मोहर :

प्रख्यात आई० टो० एन० एस०—

1. दि० घडगलबारी स्टेट (पि) लिमिटेड नो-
जोरहाट-1 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को प्राया

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए० 109/गौ०/75-76/1661-67:—अतः,
मुझे, श्री एगबर्ट सिंग,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० दाग न० 346 पता न० 147 है तथा जो निज टाउन उलुबारी गौहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 फरवरी, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प की उपधारा (I) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 1 (एक) विधा, 2 (दो) काठा, 19 (उनिस) लेचा जो कि दाग न० 346, पता न० 147 में है और यह निज उलुबारी टाउन, जिला कामरूप, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगबर्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीखः 8 अगस्त 1975

मोहरः

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, शीलांग

शीलांग, दिनांक 6-8-75

निर्देश सं० ए०-१०६/नौगाउ/७५-७६/सक्षम प्राधिकारी/
१७०२-१६:—अतः, मुझे, एगबर्ट सिंग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० ८७७, ८७८ है तथा जो हाईबर गांज
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नौगाउ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से जारित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की, धारा 269-ग के अनु-
सरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7-206GU/75

1. (1) श्री अब्दुल जबर भूशिंहा, (2) श्री सर्फउद्दिन अहमद
(3) महमद अब्दुल हाकिम भुईया, हाउबर सहर, नौगांज।
(अन्तरक)

2. (1) श्री नन्द लाल केदिया, हनुमान केदिया के लड़का,
(2) श्री घनश्यामदास केदिया, एन० केदिया के लड़का,
(3) श्री सत्यनारायण टोदी, दुर्गादत्त टोदी के लड़का,
(4) श्री सुरेश कुमार टोदी, दुर्गादत्त टोदी के लड़का, हाईबर
सहर, नौगांज।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

टप्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 4(चार) काता, 2 (दो) लेचा जो कि
दाढ़ा नं० ८७७ और ८७८ मिलके 3 काता, 18 लेचा और
4 लेचा उसके साथ में एक मकान खड़ा है और यह हैबर गांज,
नौगांज, जिला, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगबर्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, शीलांग

तारीख : 6 अगस्त, 1975

मोहर:

प्र० श्रीमती लीलाबेन नटुभाई पटेल अपने कुल सुखतार चन्द्रभाई रोबजी भाई पटेल, 37, गणेश सोसायटी, प्रताप नगर, सिध्नाथ रोड़, बड़ौदा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निदेश सं० 231/ए० सी० क्य० 23-362/6-1/74-75:-
यतः, मुझे, पी० एन० मितल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 114, प्लाट नं० 51-ए और 52-ए जमीन व मकान है, तथा जो श्रीनगर सोसायटी, पादरा रोड़, बड़ौदा, में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लीलाबेन नटुभाई पटेल अपने कुल सुखतार चन्द्रभाई रोबजी भाई पटेल, 37, गणेश सोसायटी, प्रताप नगर, सिध्नाथ रोड़, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) 1. जादवजी मूलजी पटेल, 2. रमेश जादवजी पटेल, 3. बनरावन जादवजी पटेल, सी०/ओ० कान्जी भाई पटेल, 'ममत' अरुणोदय सोसायटी, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान सहित अचल संपत्ति जिसका सर्वे नं० 114, प्लाट नं० 51-ए और 52-ए कुल माप 10215 वर्ग फीट है और जो श्रीनगर सोसायटी, पादरा रोड़, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के 19-2-1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1216 में निर्देशित है।

पी० एन० मितल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4 अगस्त, 1975

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 6 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० ए०/५/दिसम्बर' 74/हवेली-II/पूना/ 1222
आफ 75-76:—यतः, मुझे, एच० एस० ग्रौलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 135/5 है तथा जो एरंडवना (पूना) में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II (पूना) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स रेणुका अपार्टमेंट्स 431/195 शुक्रवार पंथ, पूना-2
(अन्तरक)

2. श्री रेणुका को-ग्रौपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड
135/5 एरंडवना पूना-4 चेयरमैन:—डॉ० एम० ए० जोगलेकर
(अन्तरिती)

3. (1) श्री पी० डी० देशपांडे, (2) श्री एम० पी०
लिमणे, (3) श्रीमती तारा वाम साने, (4) श्री डॉ० अशोक
कानेटकर, (5) श्रीमती एस० आर० कुलकर्णी, (6) श्रीमती
एस० पी० कुलकर्णी, (7) श्री आर० एल० कुलकर्णी; सबका पता:-
135/5 एरंडवना, पूना-4।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में फिरे जा सकेंगे।

स्विकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड फायनल प्लाट क्रामांक 135/5 एरंडवना, पूना 4
क्षेत्रफल—533.80 वर्ग मीटर, 1972-73 में बांधी हुई
बिल्डोंग—तीन इमाले। प्रत्येक इमाले का प्लांथ क्षेत्रफल 1900 वर्ग
फिट (जैसा कि रजिस्ट्रीकुल के विलेख नं० 2550 दिसम्बर' 74 में
सब-रजिस्ट्रार हवेली II (पूना) के दफतर में लिखा है।

एच० एस० ग्रौलख,
सक्षम प्रधानारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 6 अगस्त 1975।
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश सं० अर्ह 2/2005/2952/75-76:—अतः, मुझे,
एम० जे० माथन्,

आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० प्लाट नं० 18-अ० टी० पी० एस० 5 सी० एस० 1/123 है, जो सांताकूम (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोटुमल बालचन्द्र पंजवानी, हरचन्द्र मोटुमल पंजवानी,

(अन्तरक)

2. श्री नन्दिश अपार्टमेंट्स को आप हाऊ० सो० लिमिटेड (अन्तरिती)

3. मैम्बर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिला में रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा के सांताकूम पूर्व में टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 5 के प्लाट नं० 18-ए का वह समूचा भू-खंड अथवा भू-भाग जिसकी पैमाइश 1240 वर्ग-गज या 1034 वर्गमीटर या ग्रासपास जिसका सी० एस० नं० 1/123 है और इस प्रकार घिरा हुआ है पश्चिम की ओर से सार्व-जनिक मार्ग द्वारा पूर्व की ओर से उसी स्कीम के प्लाट नं० 18-बी द्वारा, दक्षिण की ओर से उसी स्कीम के प्लाट नं० 17 एवं 34 और उत्तर की ओर से उसी स्कीम के प्लाट नं० 19 द्वारा।

एम० जे० माथन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 4 अगस्त, 1975

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 एंरडवना कब्बे रोड, पुना-411004

पुना, दिनांक 6 अगस्त, 1975

निर्देश सं० सी० श्र० /५/डिसेंबर/७४ हवेली /II/(पुना)
223 आफ 75-76:—यतः, मुझे, एच० एस० औलख,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 135/6 है तथा जो एंरडवना (पुना) में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II (पुना) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
31-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती रमादेवी उर्फ मालती माधव बेबूर द्वारा
डा० एस० एस० बापट 611 सदाशिव पेठ, पुना-30 (2) मसर्स
रेणुका आपार्टमेन्ट्स 431/195 शुभवार पेठ, पुना-2
(अन्तरक)

2. श्री रेणुका को आपरेटिंग हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
चेअरमन—डा० एम० ए० जोगलेकर 135/6 एंरडवना पुना-4।
(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती एच० एस० आगटे, (2) श्रीमती एस०
एस० जोशी, (3) श्रीमती एम० ए० गोघलेकर, (4) डा० एम०
ए० जोगलेकर, (5) श्री बही० बी० शिराली, (6) श्री एस०
एस० आपटे, (7) श्रीमती एस० पी० कुलकर्णी, सबका पता
135/6 एंरडवना पुना-4।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभौम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अथ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड फायनल प्लाट क्रमांक 135/6 एंरडवना, पुना-4
ओवरफल 533.60 वर्ग मिटर, 1972-73 बांधी हुग्री बिल्डिंग
तीन इमले, (जैसी की रजिस्ट्रीकृत के विलख नं० 2549
डिसेंबर 74 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II (पुना) के दफ्तर में लिखा
है)।

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 6 अगस्त, 1975
मोहर:

प्ररूप आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3527/74-75/ए० सी० क्यू०(बी०) —यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 93 है तथा जो करियन्पालयम, कवारकनहल्ली दक्षा, लिंगराजपुरम एक्सटेन्शनस, बंगलूर उत्तर तालूका में स्थित है (और इस से उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर उत्तर तालूका, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1974 दस्तावेज नं० 5449/74-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन बर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० पेमराज पुत्र रामलाल 83/1, केंचप्पा रोड, फेसर टाउन, बंगलूर-5 (अन्तरक)

2. श्री (1) केसरीमल पुत्र श्री हगमीलालजी (2) सुजान मिह पुत्र श्री हगमीलालजी नं० 26 टानरी रोड, बंगलूर-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन सर्वे नं० 93 में-1 एकड़ 10 गुण्डे करियन्पालयम में कवारकनहल्ली हावला, लिंगराजपुरम एक्सटेन्शनस में, बंगलूर उत्तर तालूका, बंगलूर में स्थित।

पूर्व: श्री लक्ष्मीनारायण की जमीन।

पश्चिम: श्री पी० एन० जानी की जमीन।

उत्तर: श्री वेंकटरमगप्पा की जमीन।

दक्षिण: श्री चेन्नप्पा की जमीन।

[प्रधान सङ्क से इस सर्वे नं० को 4 गजबाली चौड़ायी गाड़ी रास्ते को उपयोग करने का अधिकार सहित]

दस्तावेज नं० 5449/74-75 तारीख 16-12-1974।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज बंगलूर।

तारीख: 7-8-1975

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निरेण नं० ए० पी० न-1118-ग्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7368
नवम्बर 1974 में है तथा जो में स्थित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वार्सियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बन्सीलाल सुपुत्र श्री रामलाल डड्लू० एफ०
1453 आली मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)

(2) भाटिया कोपरेटिव हाऊस विलिंग सोसाईटी,
जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां मुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रम्य होगा, जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7368 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्र० श्री गोपाल सिंह सपुत्र श्री प्रेम सिंह निवासी
फिल्लौर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निदेश नं० ए० पी० नः-1096—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3539
दिसम्बर 1974 में है तथा जो फिल्लौर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिसम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922.
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल सिंह सपुत्र श्री प्रेम सिंह निवासी
फिल्लौर
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार सपुत्र सरदारी लाल निवासी
फिल्लौर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रवि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3539 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री भजन सिंह सुपुत्र सरदाज निवासी जन्डयाला
(अन्तरक)
(2) श्री किशलैंड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड जालन्धर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1097—यतः मुझे रवीन्द्र
कुमार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3540
दिसम्बर 1974 में है तथा को जन्डयाला में स्थित है (ग्रांर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3540 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौट में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4 अगस्त 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक),
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1098—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3675 दिसम्बर 1974 में है तथा जो फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जी० एस० टोक्की चीफ हन्जीनियर बी० एप्ड आर० पटियाला (अन्तरक)

(2) श्री चान्दन राम सपुत्र श्री किरपाल राम मुहल्स परब्रह्म फिल्लौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह अक्षित, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो अक्षित सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह अक्षित जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3675 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1099—यतः मुझे रवीन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7332
नवम्बर 1974 में है तथा को रस्ता मुहल्ला जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हन्स राज सुपुत्र श्री सोदागर मल सुपुत्र
श्री दिलवाग राम आफ रस्ता मुहल्ला फगवाड़ा गेट जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष रानी पत्नी श्री मनोहालाल
सुपुत्र श्री मालोराम भूषण उदयोगिंग वर्क्स अड्डा होशमारपुर
जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7332 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1100--यतः मुझे रवीन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7315
नवम्बर 1974 में है तथा जो बस्ती नी जालन्धर भै स्थित
है (आँख इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त आधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, भै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वजीर चन्द सपुत्र श्री राम दितामल सपुत्र
गंगा राम अरोड़ा नजरात नगर जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री सतपाल सपुत्र श्री सतीराम सपुत्र श्री मूल
राज वस्ती नी जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7315 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी०- 1101—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीड्रूत विलेख नं० 7508 नवम्बर 1974 में है तथा को कोटला (निकटनूरपुर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह, स्वर्ण सिंह, ज्ञान सिंह सुनुव्र
श्री मोता सिंह सुनुव्र श्री बूटा सिंह गांव कोटला तहसील
जिला जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश सुनुव्र श्री पूर्ण चन्द सुनुव्र श्री
भोहरी राम (मुवारकपुर) तहसील जिला जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड्रूत विलेख नं० 7508 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1102—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1583 मई 1975 में है तथा जो पुरानी कच्छहरी, जालन्धर में स्थित है (और इसके उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती जगजीत कौर पत्नी चरणजीत दि० डब्ल्यू० जी-435 मुहूला स्वराज गंज, जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्रीमती वीना बाई पत्नी श्रीराम नाथ एन० सी० 10, जालन्धर शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

पलाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1583 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निवेश नं० ए० पी०- 1103— यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 ह० से अधिक है।
 और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7242
 नवम्बर 1974 में है तथा को रणजीत नगर जालन्धर में
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, तारीख नवम्बर 1974
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
 बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री मलकियत सिंह सपुत्र श्री पाखर सिंह मकान नं० 152 वी० जालन्धर (अन्तरक)
 (2) श्री बलदेव सिंह सपुत्र श्री वीसराम डल्लू० एच० 206 रणजीत नगर जालन्धर (अन्तरिती)
 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7242 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1104—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7240
नवम्बर 1974 में है तथा जो रणजीत नगर जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री मलकियत सिंह सपुत्र श्री पाखर सिंह मलकियत
नं० 152 बी० रणजीत नगर जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मन कौर पत्नी बलदेव सिंह उब्लू० एच०
206 जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7240 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रलूप ग्राही० टी० एन० एस० ——

ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, विनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए० पी० न० 1105—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7487 नवम्बर 1974 में है तथा को इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्तियों, प्रर्ति:—

9—206GI/75

(1) श्री गुजरात शिह सुन्न श्री प्रेम शिह एण्ड दर्शन शिह, बिक्रम शिह एण्ड राम नाथ मार्कत जी० ए० दर्शन शिह
(अन्तरक)

(2) मैसर्ज गुजरात रबर इन्डस्ट्रीज जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7487 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर;

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० न० 1106—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7601 नवम्बर 1974 में है तथा को राजेन्द्र नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय कर 'अधिनियम', 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री प्रथमी सिंह सपुत्र श्री मिलाती राम रणजीत नगर जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम सपुत्री दीवान गुरवरण दास आफ सुलतानपुर जिला कपूरथला (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

(4) जो व्यक्ति, अजि सम्पत्ति में रचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अब जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7601 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रॅलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ५० पी० नं० 1107—यतः मुझे रवीन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 7212
नवम्बर 1974 में है तथा को रणजीत नगर जालन्धर में
स्थित है (और इसे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सरदार गुरुकंश सिंह सपुत्र श्री मियां सिंह
सपुत्र श्री केसर सिंह चरता तहसील फिल्लौर जिला जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती घरण कौर पत्नी श्री कावल सिंह सपुत्र
श्री इशर सिंह मकान न० 7 मोयीट नगर जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 7212 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देशन० ए० पी० न० 1108—प्रतः मुझे रवोन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7407 नवम्बर 1974 में है तथा को धोबी मुहल्ला जालन्धर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जसवन्त सिंह सपुत्र श्री विलोक सिंह, धोबी मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री सोहन देव माफर्त अमर नाथ सूरी जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्स्वाल्भी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 3.0.दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7407 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०————

आमंत्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1109—यतः मुझे रवीन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7540
नवम्बर 1974 में है तथा जो सूरा पट्टी (जालन्धर) में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रणजीत कौर विधवा गुलजार सिंह,
गांव सूरा पट्टी अमन्तपुर तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री बरा सिंह सपुत्र श्री गंगा सिंह गांव सूरा
पट्टी अमन्तपुर तहसील जिला जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7540
नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1110—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7507 नवम्बर 1974 में है तथा जो कोट्ला तहसील, जिला जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहन सिंह, सोहन सिंह, निरजन सिंह सुपुत्र श्री मोता सिंह सपुत्र श्री बूटा सिंह गांव कोटा तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश सुपुत्र श्री पूर्ण चन्द मुबारकपुर तहसील, जिला जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7507 नवम्बर 1974 में को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० इस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1111—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3392 नवम्बर 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (ग्राम इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आत्मा सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह नवांशहर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती तरसेम कौर सुपुत्री श्री दलबीर सिंह सुपुत्र श्री सपताल सिंह निवासी बबोली जिला हुशारपुर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3392 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1112—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3060 नवम्बर 1974 में है तथा पन्डोरी में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नरोत्तम देव सपुत्र श्री भगत राम सपुत्र बाबू राम निवासी कच्चा टोबा होशियारपुर (अन्तरक)

(2) श्री दुर्ग दास सपुत्र श्री देवी अनंद निवासी गोल्ड सीमथ सुथेरी नई कालोनी राजेन्द्र नगर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापकरणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3060 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1113—यतः मुझे रवीन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जेसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1575 नवम्बर 1974 में है तथा जो मन्मूरपुर में [स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेशियाँ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—206G1/75

(1) श्री मान सिंह आफ सोहन सिंह सुपुत्र श्री नथा सिंह निवासी मन्मूरपुर डाकखाना मुकेशियाँ तहसील दस्हाहा (ग्रन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र सिंह, जुगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हीरा सिंह मुपुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी मन्मूरपुर (ग्रन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में दब्ति रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1575 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेशियाँ में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

पिंडेश नं० ग० पी० नं० 1114—पतः, मैले, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3053 नवम्बर 1974 में है तथा जो वस्ती गुलाम हुसैन में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में आसानीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

(1) श्री जगन नाथ मंगुव श्री हन्स राज निवासी बस्सी गुलाम हुसैन तहसील दृश्यारपुर (अन्तरक)

(2) वी धर्म पाल मंगुव चूर्णी लाल, शत पाल मंगुव मल गम निवासी माझन टाऊन दृश्यारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० ३ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति भमनि में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस लूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3053 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
आयकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 4-8-1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1115—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1470 नवम्बर 1974 में है तथा जो पन्डोरी में स्थित है (प्रौर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरियां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए प्रौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर सिंह समृद्ध मियां लाल सिंह गंव पन्डोरी थाना मुकेरियां

(अन्तरक)

(2) श्री हरवन्स सिंह समृद्ध श्री देवी दिता मल बलविन्द्र सिंह सुखदेव मिह मनमोहन मिह निवासी पास०-१। इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के धर्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धर्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1470 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेरियां में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1116—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1472
नवम्बर 1974 में है तथा जो पन्डीरी में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकृता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरियां में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के
लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रघबीर सिंह सपुत्र मियां लाल सिंह निवासी
पन्डीरी तहसील मुकेरियां
(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह सपुत्र श्री देवी दिता मल सपुत्र
श्री जीवन मल इन्डस्ट्रीयल परिया जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भगुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1472 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी मुकेरियां में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रूप्र आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1117—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1471
नवम्बर 1974 में गंव पन्डोरी में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेशिया में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रघबीर सिंह सपुत्र मियां लाल सिंह, निवासी
पन्डोरी पुलिस स्टेशन मुकेशिया
(अन्तरक)

(2) श्री जगजीत पाल सिंह, डलजीत सिंह सपुत्र
श्री देव सिंह सपुत्र श्री विशन सिंह निवासी सागरपुर तहसील
'बटाला'
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियोंमें से
किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1471 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेशिया में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 4-8-1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1119—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1481 नवम्बर 1974 में है तथा जो पन्डोरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेशिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

(1) श्री रघबीर मिह सपुत्र एम० लाल सिंह निवासी
पन्डोरी (अन्तरक)

(2) श्री लिलोचन सिंह, सतपाल सिंह निर्मल सिंह,
भगवान सिंह सपुत्र श्री विश्वन सिंह निवासी सागर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1481 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेशिया में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 4-8-1975

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1120—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी मं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3028 नवम्बर 1974 में है तथा जो पथारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण का लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती होता प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नरोत्तम देव सुन्दर श्री भगत राम निवासी कच्चा टोवा होशंगाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री तरसेम लाल सुन्दर श्री दुर्गा दाम सपूत्र श्री देवी चन्द्र निवासी राजेन्द्र नगर जालन्थर (अन्तरित)

(3) श्री जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो वाचिन सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3028 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशंगाबाद में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्थर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं०-1121—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7491
नवम्बर 1974 में है तथा जो दयालपुर गेट करतारपुर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हन्स राज सपुत्र श्री रत्न राम सपुत्र श्री
दोलत राम (दयाल पुर गेट करतारपुर) तहसील जिला जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्री मजमियां सिंह, तरसेम सिंह, महिन्द्र सिंह,
जोगिन्द्र सिंह मनजीत सिंह सपुत्र श्री चरण सिंह सपुत्र श्री
जबलन सिंह दयालपुर करतारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिगोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थित रहता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7491 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 4-8-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 जुलाई 1975

निर्देश सं० राज० सहा० आय० अर्जन/247—यतः, मुझे,
वी० पी० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सैथी में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चित्तोड़गढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8 जनवरी 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को
कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अवतिः—

(1) श्री जैसिंह पुत्र श्री नवलसिंह मेहता नि०
मोहल्ला मोती चौहटा उदयपुर हाल मुकाम 110, लैक
टैरेस कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्री श्रीलाल पुत्र श्री देवकिशन दवे श्रीमाली नि०
सांगल तह० कुम्भलगढ़ जिला उदयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम सैथी तह० एवं० जिला चित्तोड़गढ़ स्थित आराजी
नं० 191/2 वाली 11 बीघा कृषि भूमि।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 5-7-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-½, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
दिसम्बर-१/५३०(९)/७४-७५/२२७१—यतः मुझे, चं० वि०
गुप्ते,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है और जिसकी सं० जमीन का खसरानं० 1295/84/1/1,
खेवठ नं० 654, रवैन्यू इस्टेट, किलकोरी, हरी नगर आश्रम,
मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-12-1974

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांकित सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपस्थारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री मोती राम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री जगन्नाथ
निवासी 3338, कूच्चा काशगिरी बाजार सीता राम, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री योगेश्वर प्रसाद, निवासी दी०-१८, डिफैन्स
कालौनी, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकल सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकल व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक फीहोल्ड टुकड़ा जोकि एक बीगा 16
बिसवा (करीब 1814 वर्ग गज) है और खसरा नं० 1295/
84/1/1 है खेवठ नं० 114, खाता नं० 634 है तथा जो
कि रवैन्यू इस्टेट के गाँव किलकोरोंमें हरी नगर आश्रम,
मथुरा रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार की सिमाओं में
स्थित है :—

पूर्व : मथुरा रोड

पश्चिम : भूमि तथा श्री पश्वारी लाल साहनी का मकान

उत्तर : श्री० दलजीत सिंह का मकान

दक्षिण : श्री एस० पी० सुरी का मकान

चं वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-½, दिल्ली, नई दिल्ली-१।

तारीख : 4 अगस्त 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 जुलाई 1975

निर्देश सं० राज० स० आय० अर्जन/249—यतः, मुझे,
बी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो संथी में स्थित है,
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तोड़गढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8 जनवरी 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’
के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः, अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा, 269-व के अनुसरण में
‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री जैसिंह पुत्र श्री नवल सिंह मेहता ज०
मोती चौहाय उदयपुर हाल मुकाम 110, लेक टैरस कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार नानालिंग पुत्र श्री श्रीलाल
देव श्रीमाली द्वारा अपनी संरक्षिका माता श्रीमती शमकू
बाई पति श्री श्रीलाल देव, निं० साँगठ तह० कुम्भलगड़
जिला उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’, के अध्याय 20-का में परि-
शापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम संथी तह० एवं जिला चित्तोड़गढ़ स्थित आराजी
नं० 191/2 वाली 10 बीघा कृषि भूमि।

बी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जयपुर।

तारीख : 5-7-1975

मोहर :

प्रूप बाई० टी० एन० एस०—-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 जुलाई 1975

निर्देश सं० राज० स० आय० अर्जन/248—पतः, मुझे,
बी० पी० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सैधी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तोड़गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 8 जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जैसिंह पुत्र श्री नवल सिंह मेहता निं० मोर्ती चौहटा उदयपुर हाल मुकाम 110, लैंक टैरस कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ममकू वाई पति श्री श्रीलाल दबे, श्रीमानी निं० सांगठ तह० कुम्भलगढ़ जिला उदयपुर (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम संधी तह० एवं जिला चित्तोड़गढ़ स्थित आराजी नं० 191/1 वाली 20 बीघा कृषि भूमि।

बी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जयपुर।

तारीख : 5-7-1975

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ प्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० /11/843/75-76/
1217—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० के०-100 (1/2 भाग) है, जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ्रैट ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर सिंह बिन्दरा, सुपुत्र श्री राम सिंह बिन्दरा निवासी के-100 कीर्ती नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती तेज कौर, पत्नी श्री उपकार सिंह निवासी के०-100, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक मॉजेला मकान का जिसका नं० के०-100 है तथा जो कि अधिकृत निवासी कालौनी कीर्ती नगर के नाम से जानी जाती है और नजफगढ़ रोड पर, नई दिल्ली के गाँव बसाए दारापुर, दिल्ली के एस्ट्रिया में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

उत्तर : माकन नं० के०-99 और पार्क

पश्चिम : मकान नं० 101

दक्षिण : सर्विस लेन

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 27-6-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 जुलाई 1975

निर्देश सं० राज० स० आयु० अर्जन/250—यतः मुझे,
वी० पी० मित्तल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो संथी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चित्तोडगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्री जैसिह पुन्न श्री नवल सिंह मेहता निं० मंत्री
चौहटा उदयपुर हाल मुकाम 110, लेक टैरेस कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार पुन्न श्री श्रीलाल दबे श्रीमाली
निं० सांगठ तह० कुम्भलगढ़ जिला उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम संथी तह० एवं० जिला चित्तोडगढ़ स्थित आराजी नं० 191/2 वाली 10 बीघा कृषि भूमि।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 5-7-1975

मोहर :

प्रहृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1
4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1785/75-76/
836—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बी०-31 है, जो सत्यावती नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 26-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लीला धर, सुपुत्र श्री हेम राज पाहुजा,
सी०-७/५, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-७ (अन्तरक)
(2) श्री साधु राम, सुपुत्र श्री हेम राज पाहुजा, सी०-७/५,
राणा प्रताप बाग, दिल्ली-७ (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में पर्याप्तरिभावित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका नं० बी०-31, थेन्फल 300
वर्ग गज है तथा खसरा नं० 86, 88, 89, 92 से 98,
100 से 107 है तथा जोकि फीहोल्ड कालौनी सत्यावती
नगर, दिल्ली से जानी जाती है और इसकी सीमाएं निम्न
प्रकार की है :—

पूर्व : सड़क
पश्चिम : सर्विस लेन
उत्तर : बी०-32
दक्षिण : बी०-30

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-5-1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1975

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/844/75-76/
—यतः, मुझे, घं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० के०-100 (1/2 भाग) है, जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

(1) श्री अमर सिंह बिन्दरा, सुपुत्र श्री राम सिंह बिन्दरा निवासी के०-100, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री उपकार सिंह, सुपुत्र श्री सनमुख सिंह निवासी के०-100, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक मंजिला मकान का जिसका नं० के०-100 है तथा जो कि अधिकृत निवासी कालौनी कीर्ती नगर, के नाम से जानी जाती है और नजफगढ़ रोड पर, नई दिल्ली के गाँव बसाए दारापुर, दिल्ली के एरिया में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन

उत्तर : मकान नं० के०-99 और पार्क

पश्चिम : मकान नं० 101

दक्षिण : सर्विस लेन

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-6-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 25 जुलाई 1975

निदेश सं० सी० एच० डी०/256/74-75—अतः, मुझे,
बी० पी० मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सधाम प्राधिकारी को, यह विश्वास
हसने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 182/1 है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975.

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाधत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

.2—306 GI/75

(1) मै० लीके कैमीकल ए०ड अलाहूड इन्डस्ट्रीज
52-ए०, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) सर्वं श्री

1. ओम प्रकाश गुप्ता } पुत्र श्री गम जीवन दास

2. श्रीमती गीता गुप्ता, पत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता

3. श्रीमती मर्ली गुप्ता, पत्नी शाम लाल

निवासी 1686, मंकटर 22-बी० चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोकस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के यथाप्रतिक्रियता
हैं, वही अर्थ दीखा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 182/1 इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़
(जैसा के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1075 जनवरी
1975 में सब रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

थी० पी० मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 25-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० पी० टी० ए०/६२/७४-७५—अतः मुझे,
वी० पी० मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि साथ में दृश्यबूद्धि (क्षेत्रफल 74 कनाल) है तथा जो गाँव करहाली तहसील और जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अर्जन सिंह पुत्र श्री शियाम सिंह, निवास गाँव करहाली, तहसील और जिला पटियाला (अन्तरक)

(2) श्री दसौंधा सिंह पुत्र श्री हरी मिह निवासी गाँव सागरा, तहसील समाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वांबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तानशी के राग निश्चिन में किए जा सकेंगे।

प्राविकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि साथ में दृश्यबूद्धि (क्षेत्रफल 74 कनाल) जो कि गाँव करहाली, तहसील और जिला पटियाला में स्थित है।

खेत नं० 133/201

खसरा नं० :—	86/3	5-12
	86/4	8-00
	86/7	8-00
	86/8	8-06
	86/17	8-00
	86/18	8-00
	86/19	4-12
	86/22	7-10
	86/23	8-00
	86/24	8-00

74-00

(जैसा कि रजिस्ट्रीक्षण के विलेख नं० 2923 फरवरी 1975 में सब-रजिस्ट्रार पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

दी० पी० मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० के० एल० य०/10/74-75—अतः मुझे,
बी० पी० निमोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 16 विधा 14 विस्ता और उसमें बने मकान का 1/4 हिस्सा है तथा जो फाटी बाड़ी, कोठी बारागढ़ जिला कुल्लू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुल्लू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुलवन्तु पुत्री श्री अमंत राम, पुत्र रिंगल राजपूत गांव बशकोला, फाटी कट्टेन, कोठी बारागढ़ जिला कुल्लू
(अन्तरक)

(2) सर्व श्री

1. जीत राम }
2. उत्तम चन्द } पुत्र श्री अमंत राम पुत्र श्री रिंगल
राजपूत
निवासी बशकोला, फाटी कट्टेन, जिला कुल्लू
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16 विधा 14 विस्ता भूमि और उसमें बने मकान का 1/4 हिस्सा जो गांव फाटी बाड़ी, कोठी बारागढ़, जिला कुल्लू में स्थित है।

(जैसा के रजिस्ट्रीकूट के विलेख नं० 1135 फरवरी 1975 में सब रजिस्ट्रार कुल्लू के कार्यालय में लिखा है।)

बी० पी० मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 26-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एस० —

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० एल० डी० एन०/सी०/549/74-75—अतः

जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
जैन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ८-बी० जो कि श्रोसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के का कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अमरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मै० कामिन वैलथ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा० लि० लुधियाना द्वारा श्री सन्तोष कुमार गुप्ता (अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिह, पुत्र श्री विशन सिह, निवासी बी०-१, 1442, दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ८-बी०, क्षेत्रफल 530 वर्ग गज, जो कि पहले म० कामन वैलथ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि० का था और जो कि श्रोसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है; पर स्थित है।

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 9424, फरवरी 1975 म सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा ह।

जी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज- चण्डीगढ़।

तारीख : 9 5 1975

मोहर :

प्रख्युप आई० डी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत संसदी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़
 चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई 1975
 निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/523/74-75—अतः
 मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
 अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सैदा तहसील
 लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
 विलेख के अनुसार अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति
 (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय घाया घाया प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
 कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत 'उक्त
 अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया
 किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हाकिम सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह, निवासी
 धर्म पुरा, लुधियाना (अन्तरिक्त)
- (2) सर्वेश्वी
- (i) चमन लाल पुत्र श्री धनी राम निवासी 14,
 शाम नगर लुधियाना (अन्तरिक्ती)
- (ii) मुलख राज पुत्र श्री चमन लाल,
- (iii) शक्ती कुमार पुत्र राम प्रकाश
- (iv) श्रीमती सवित्री देवी पुत्री जीवन मल
- (v) श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी ओम प्रकाश
- (vi) विहारी लाल पुत्र पोखर दास, निवासी 14, शाम
 नगर, लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उपर सम्पेत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से
 किसी अक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठद
 किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 818 7/54 वर्ग गज जो कि तरफ
 सैदा तहसील लुधियाना में स्थित है और जो कि समराल
 रोड़ चौक से दो फरलांग की दूरी पर और बुचड़खाना
 और सगराला रोड़ के बीच में है।

खसरा नं० 934, 941, 942, और 944,
 खाता नं० 39/53, 617/829,
 जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8509 जनवरी
 1975 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 9-5-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एत० एस०----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई, 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/524/74-75—अतः,
मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सैद्धांतिक लुधियाना में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975
को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
षत्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री सुरजीत सिंह, पुत्र श्री भजन सिंह, निवासी
धर्म पुरा, लुधियाना (अन्तरक)
- (2) सर्वश्री
(i) चमत लाल पुत्र श्री धनी राम निवासी 14,
शाम नगर, लुधियाना (अन्तरिती)
- (ii) मुलाख राज पुत्र चमत लाल
- (iii) गांती कुमार पुत्र राम प्रकाश
- (iv) सविती देवी पुत्री जीवन मल,
- (v) श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी ओम प्रकाश
- (vi) बिहारी लाल पुत्र पीबर दास, निवासी 14,
शाम नगर, लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी
आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भेत्रफल 818 7/54 वर्ग गज जो कि तरफ
सैद्धांतिक लुधियाना में स्थित है और जो कि समराला
रोड़ चौक से दो फरलांग की दूरी पर बुचड़खाना और
समराला रोड़ के बीच में है।

खसरा नं० 934, 941, 942, और 944

खाना नं० 39/53, 617/829

(जिसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8510, जनवरी
1975 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा
है।

जी० पी० सिंह,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज चण्डीगढ़।

तारीख : 9-5-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई 1975

निवेश सं० एल० डी० एच०/सी०/525/74-75—अतः
मुझे, जी० पी० सिह, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ संदा तहसील लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ को अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपराहा (1) के अधीन निम्नलिखित अप्रितियों
अधीतः—

(1) श्री हरमिन्द्र सिंह (नवालग) पुत्र श्री दरबार
सिंह, निवासी धर्म पुरा, लुधियाना उसके संरक्षक श्री
दरबारा सिंह के द्वारा (अन्तरक)

(2) सर्वथी

- | | |
|--|--|
| <p>(i) श्री चमन लाल पुत्र श्री धनी राम, निवासी 14,
शाम नगर, लुधियाना</p> <p>(ii) मुलख राज पुत्र चमन लाल</p> <p>(iii) शक्ती कुमार पुत्र राम प्रकाश</p> <p>(iv) श्रीमती सविदी देवी पुत्री जीवन मल,</p> | } निवासी 14,
} शाम नगर,
} लुधियाना |
| <p>(v) श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी ओम प्रकाश</p> <p>(vi) बिहारी लाल पुत्र पोखर बास</p> | } |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथावरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 545 (34/81) वर्ग गज जो कि तरफ
सैद्धांश, तहसील लुधियाना में स्थित है और जो कि समराला
रोड चौक से दो फरलांग की दूरी पर बुचड़खाना और
समराला रोड के बीच में है।
खाता नं० 934, 941, 942 और 944,

खाता नं० 39/53, 617/829

जैसे कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 8539 में जनवरी
1975 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिह,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारीख : 9-5-1975

मोहर :

प्रृष्ठा प्राईंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा-269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/526/74-75—अतः
मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तर्फ सैदां, तहसील
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहन सिंह, पुत्र श्री दरबारा सिंह, निवासी
धर्मपुरा, लुधियाना (अन्तरक)

(2) सर्वश्री

(i) चमन लाल, पुत्र धनी राम,

(ii) मुलख राज, पुत्र चमन लाल,

(iii) शक्ती कुमार पुत्र राम प्रकाश,

(iv) श्रीमती सवित्री देवी, पुत्री जीवन मल,

(v) श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी ओम प्रकाश,

(vi) बिहारी लाल, पुत्र पोखर दास,

निवासी 14, शाम नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकालिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तियः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जो सकेंगे।

लघुकरण—इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जमीन खेतफल 545 (34/81) वर्ग गज़ जो कि तर्फ
सैदां, तहसील लुधियाना में स्थित है और जो कि समराला
रोड चौक से दो फरलांग की दूरी पर बुकड़खाना और
समराला रोड के बीच में है।

खसरा नं० 934, 941, 942 और 944

आता नं० 39/53, 617/829

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8540, जनवरी
1975 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारीख : 9-5-1975

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंट टी० एन० एस०-

(1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह, निवासी
धर्मपुरा, लुधियाना
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/528/74-75—अतः
मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सैदां, तहसील
लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के
अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) सर्वथी

- (i) चमन लाल, पुत्र धनी राम,
- (ii) मुलख राज पुत्र चमन लाल,
- (iii) शक्ती कुमार पुत्र राम प्रकाश
- (iv) श्रीमती मविती देवी पुत्री जीवन मल,
- (v) श्रीमती सुरेण कुमारी पत्नी ओम प्रकाश
- (vi) विहारी लाल, पुत्र पोखर दास,
निवासी 14, शाम नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन धोकफल 818 (7/54) वर्ग राज जो कि तक्क
सैदां, तहसील लुधियाना में स्थित है और जो कि समराला
रोड़ चौक से दो फरलांग की दूरी पर और बुचड़याना और
समराला रोड़ के बीच में है।

खसरा नं० 934, 941, 942, और 944

खाता नं० 39/53, 617/829

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8722, जनवरी
1975 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा
है)।जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज चण्डीगढ़।

तारीख : 9-5-1975

मोहर :

प्रलेप ग्राही० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/527/74-75—ग्रतः,
मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ८० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सैदां, तहसील लुधियाना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरमीत सिंह, नवाजग पुत्र श्री दरबारा सिंह, बाग उसके पिता और प्राकृतिक संरक्षक श्री दरबारा सिंह, निवासी धर्मपुरा लुधियाना (अन्तरक)

(2) सर्वंश्री

- (i) चमन लाल, पुत्र धनी राम,
- (ii) मुलख राज, पुत्र चमन लाल,
- (iii) शक्ती कुमार पुत्र राम प्रकाश
- (iv) श्रीमती सवित्री देवी पुत्री जीवन मल,
- (v) श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी ओम प्रकाश,
- (vi) बिहारी लाल, पुत्र पोखर दास, निवासी 14, शाम नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 545 (34/81) वर्ग गज जो कि समराला रोड चौक से दो फरलांग की दूरी पर वुच्चडखाना और समराला रोड के बीच में तरफ सैदां तहसील लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 934, 941, 942 और 944

खाता नं० 39/53, 617/829

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8541 जनवरी 1975, में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज चण्डीगढ़।

तारीख : 9-5-1975

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, 2 अगस्त 1975

Acq. File No. 219 J. No. 1(158)/VSP/74-75.

अतः मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं

No. 2-39-66(4) 12-39-66(B) 12-39-66G, Nookambika
Temple Street, Anakapally
है तथा जो Anakapally में स्थित है (श्रौत इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्तियों प्रयोग्त :—

1. 1. M. V. Kondanda Rao
 2. M. V. K. Murthy
 3. M. V. Timmayya Pantulu.
 4. M. V. Chendramma
 5. M. V. S. Rao
 6. M. V. K. R. Prasad
 7. M. V. S. K. Prasad
- 6 & 7 being minors by guardian father M. V. Sundra-Rao.

(अन्तरक)

2. 1. Sri Beddeda Pothu Raju, Anakapally.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोत्साक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

The schedule property as per dec. No. 2721 of SRO,
Anakapally registered on 14-11-74.

B. V. SUBBA RAO.
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 2-8-1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/529/74-75—अतः
मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तर्फ सैदा, तहसील
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह, निवासी
धर्म पुरा, लुधियाना (अन्तरक)

(2) सर्वश्री (अन्तरिती)

- (i) चमन लाल पुत्र धनी राम,
- (ii) मुलख राज पुत्र चमन लाल,
- (iii) शक्ती कुमार पुत्र राम प्रकाश,
- (iv) श्रीमती सवित्री देवी पुत्री जीवन मल,
- (v) श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी ओम प्रकाश,
- (vi) विहारी लाल, पुत्र पोखर दास,

निवासी 14—णाम नगर, लुधियाना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 818 ($\frac{7}{54}$) वर्ग गज जो कि समराला रोड
चौक से दो फरलांग की दूरी पर दुचड़ियाना और समराला
रोड के बीच में, तरफ सैदा तहसील लुधियाना में स्थित है ।

खसरा नं० 934, 941, 942, और 944

खाता नं० 39/53, 617/829

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8723, जनवरी
1975 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा
है ।)

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 9-5-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

(1) Sri. Pedapati Babu Rao, Narasipatnam

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) Sri. Ganugula Appala Raju, Narasipatnam

(अन्तरिती)

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, KAKINADA

Kakinada, the 2nd August 1975

Acq. File No. 217 J. No. (160)/VSP/74-75.

अतः मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-150, Ward No. 1; है तथा जो Narsipatnam में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Narsipatnam में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रायुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule Property as per document No. 2710/74 of Sub-Registrar, Narsipatnam.

B. V. SUBBA RAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज,
Kakinada.

दिनांक : 2-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, KAKINADA

Kakinada, the 2nd August, 1975

Acq. File No. 220/J. No. I(230)VSP/74-75.
यतः, मुझे B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० Door No. 13-39-66(P)

Asst. No. 563 Nookambika Temple Street, RKP.
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
Anakapally में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-11-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धात् —

- (1) 1. M. V. Kodanda Rao.
 2. M. V. K. Murthy.
 3. M. V. Chendramma.
 4. M. V. Timmayya.
 5. M. V. S. Rao.
 6. M. V. K. R. Prasad.
 7. M. V. S. R. Prasad.
- 6 & 7 being minors by guardian father M. V. Sundara rao.

(अन्तरक)

- (2) Sri B. Sanyasiraju, Anakapally,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतदधारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृसताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

The schedule property as per docu. No. 2723 of SRO,
Anakapally registered on 15-11-74.

B. V. SUBBA RAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, Kakinada.

दिनांक : 2-8-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अगस्त 1975

निर्देश सं० राज/सहा० ग्रा०/अर्जन/252—यतः मुझे
सी० एस० जैन आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की संख्या 1 (एक) है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 24, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायिक में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कन्हैयालाल तिवाड़ी पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीनारायणजी
तिवाड़ी, नाहरगढ़ रोड, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री पुस्पोत्तम व्यास पुत्र श्री मदन लाल व्यास
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचापित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोलीविकटी सिनेमा जयपुर के सामने मोतीलाल अटल रोड
पर स्थित घूमर लाल स्वरूप लाल जी की बगीची नाम की श्रबल
सम्पत्ति में खण्ड नं० । व । ए, जो कन्हैया लाल जी तिवाड़ी के
स्वामित्व में था।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रूप प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada 2nd August, 1975

Acq. File No. 216/I, No. 159/VSP/74-75—

यतः, मुझे, R. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7-11-10 & 7-11-11 Goods

Shed Road है जो Anakapally में स्थित है (और इगसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीडर्टा अधिकारी के कार्यालय, Anakapally में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(1) Shri Bongi Surya Prakasa Rao, Anakapally Bongi Apayyamma, Anakapally.

(अन्तरक)

(2) Shri Bonu Mahalaxmi, Anakapally Bonu Trinodha Rao, Anakapally.

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए इतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 2737 registered on 20-11-74 before SRO, Anakapally.

B. V. SUBBA RAO,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 2-8-75

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अगस्त 1975

निदश सं० राज/सहा० आ०/अर्जन/254—यतः मुझे सी०
एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3 व 3 ए हैं तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1973 को
पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

14—206GI/75

(1) श्री कन्हैया लाल तिवाड़ी पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीनारायण
लाल जी तिवाड़ी, नाहरगढ़ रोड, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश कायल पुत्र श्री राधेश्याम कायल,
25 कोटी नगर, जयपुर (अन्तरिती)

(3) श्री कोशल सिंह यादव (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोलोविकटी सिनेमा जयपुर के सामने, मोतीलाल अटल रोड
पर स्थित झूमर लाल जी की बड़ीची नाम की अबल सम्पत्ति में
खठानं० 3 व 3 ए जो कन्हैया लाल तिवाड़ी जी के स्वामित्व में था।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख 13-8-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)
अर्जन रेज जयपुर

जयपुर, तारीख 13-8-1975

निर्देश सं० राज/सहा० आ०/अर्जन/253—यतः, मुझे, सी०
एस० जैन,

श्रावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2 व 2 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितियों, अर्थात्:—

(1) श्री कन्हैया लाल तिवाड़ी पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीनारायणलाल तिवाड़ी, नाहरगढ़ रोड, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री सत्योग कुमार सरावगी पुत्र श्री कंवर लालजयपुर (अन्तरिती)

(3) श्री नेतरपाल सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिष्ठोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोलोविक्ट्री सिनेमा जयपुर के सामने, मोती लाल श्रटल रोड पर स्थित ज्ञामर लाल जी की बगीची नाम की अचल सम्पत्ति में खंड नं० 2 व 2 (ए) जो कन्हैयालाल तिवाड़ी जी के स्वामित्व में था।

सी० एस०
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 13-8-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री कन्हैया लाल तिवाड़ी, नाहरगढ़ रोड जयपुर
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तारीख 13 अगस्त 1975

निर्देश सं० राज/सहा० आ०/अर्जन/256--यतः मुझे सी०
एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० 4/2 व 4ए/2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 दिसम्बर 1974 को

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) राजेन्द्र सिंह देवरा पुत्र श्री मांगी लाल देवरा, शान्ति सदन, मोती लाल अटल रोड, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोलोविक्ट्री सिनेमा जयपुर के सामने मोतीलाल अटल रोड पर स्थित झूमर लाल जी की बगीची नाम की अबल सम्पत्ति में खंड नं० 4/2 व 4ए/2 जो कन्हैया लाल तिवाड़ी जी के स्वामित्व में था।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अगस्त 1975

निर्देश सं० राज/साह० आ०/अर्जन/255—यतः मुझे सी०
एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है
और जिस की सं० 4/1 व 4/ए-1 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसंबर
21, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए काय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारसविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कन्हैयालाल तिवाड़ी पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीनारायण जी
तिवाड़ी
(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश देवदा पुत्र श्री मांगी लाल देवदा
(अन्तरिती)

(3) श्री कोशल सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पोलोविक्ट्री सिनेमा जयपुर के सामने मोती लाल अटल रोड
पर स्थित म्हूमर लाल जी की बगीची नाम की अबल सम्पत्ति में
खंड नं० 4/1 व 4/ए-1 जो कन्हैया लाल तिवाड़ी जी के स्वामित्व
में था।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जयपुर,

जयपुर तारीख 13 अगस्त 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०/अर्जन०/258—यतः मुझे
सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 5/2 व 5/2ए है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 27, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच [ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः शब्द 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कन्हैया लाल तिवाड़ी पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीनारायण
जी तिवाड़ी, नाहरगढ़, रोड, जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र सिंह देवरा पुत्र मांगी लाल देवरा
(अन्तरिती)
- (3) श्री जगदीश प्रसाद पुत्र रामकुमार (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित
में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमेटिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोलोविक्ट्री सिनेमा जयपुर के सामने, मोतीलाल अटल रोड
पर स्थित शुमर लाल जी की बगीची की अचल सम्पत्ति में खंड नं०
5/2 व 5/2ए जो कन्हैया लाल तिवाड़ी जी के स्वामित्व में था।

सी० एस० जैन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रारूप आई० ई० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 13 अगस्त 1975

निर्देश स० राज०/सहा० आ०/अर्जन/257—यतः मुझे
सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 5/1 व 5/1ए है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी
27, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे भ्रन्ति में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

- (1) श्री कन्हैया लाल तिवाड़ी पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीनारायण जी
तिवाड़ी, नाहरगढ़ रोड, जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रप्रकाश देवरा पुत्र मांगी लाल देवरा, शान्ति
सदन, अटल रोड, जयपुर (अन्तरिती)
- (3) श्री विजेन्द्र सिंह (ग्राउंड फ्लोर) (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री जगदीश प्रमाद पुत्र रामकृष्णार (प्रथम व द्वितीय
फ्लोर)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पोलोबिकटी सिनेमा जयपुर के सामने, मोतीलाल अटल रोड
पर स्थित झूमर लाल जी की बड़ी नाम की अवल सम्पत्ति में
खंड नं० 5/1 व 5/1ए जो कन्हैया लाल तिवाड़ी के स्वामित्व में
था ।

सी० एस० जैन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 220/आर-IV /कल०/75-76-
अतः मुझे एस० भट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 28/1 बि० है तथा जो सामापुकुर लेन में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16
दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुकान्ता बोस और श्रीमती राधिका राय ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती विभा राय ।
(अन्तरिती)
3. श्रीमती लीला दास गुप्ता, मंजु, विष्णु, देवेश, भोला नाथ,
बोमकेश और नारायण चौधुरी, डॉ भोलानाथ पाहन,
ए० एन० मित्ता, अनिल चटर्जी और सत्यब्रत सरकार ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अधिभाजित आधा हिस्सा, प्रेमिसेस सं० 28/1 बि० सामा
पुकुर लेन, कलकत्ता-9, जिसके पूरा परिमान 5 कड़ा 2 छटांक के
लगभग है, साथ उसपर स्थित गकान ।

एस० भट्टाचार्य,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख: 22 जुलाई 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए०, असफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्ड०/11/852/75-76/

—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/1 है, जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त [अधिनियम], या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रमीला धबन, पत्नी श्री एल० के० धबन, निवासी सी०-6/6, वसन्त विहार, नई दिल्ली (2) श्रीमती बीता नन्दा, पत्नी लै० क० आर० बी० नन्दा, निवासी 1/1, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शन कौर, पत्नी श्री रघबीर सिंह, निवासी, 14/10, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

(3) 1. श्री इन्द्रजीत 2. हरबंस लाल 3. सोहन लाल चड्हा 4. मुकंद लाल 5. इन्द्रजीत 6. जय राम 7. धर्म पाल 8. राम रखामल सभी निवासी 1/1, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजीला मकान जोकि लीजहोल्ड प्लाट पर बना है तथा जिसका क्षेत्रफल 880 वर्ग गज है तथा जोकि 1/1, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 2 ब्लाक नं० 1

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : मुख्य सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 29 जुलाई 1975

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 24th July 1975

No. F.6/40/64-SCA(I)—Shri K. B. Nambyar, Editor, Supreme Court Reports, Supreme Court of India having expired on 14 July, 1975, his services in the Registry came to an end with effect from the afternoon of 14th July, 1975.

R. SUBBA RAO, Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th April 1975

No. P/1837-Admn. I—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University has been appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from 15th March 1975 to 31st May 1975 (both days inclusive).

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 29th March 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I—Shri A. N. Sinha, an officer of the Indian Revenue Service working as Under Secretary in the Union Public Service Commission, is appointed to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission from 1st March 1975 until further orders.

The 1st July 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I—Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification No. A.32013/1/75-Admn. I dated 12th May, 1975, relinquished charge of the office of the Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 13th June, 1975.

2. On his reversion, Shri B. N. Addy, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 13th June, 1975.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st July 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I—The President is pleased to appoint Shri B. R. Verma, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 62 days with effect from 28th April, 1975 to 28th June, 1975.

2. Shri B. R. Verma relinquished charge of the office of Under Secretary with effect from the afternoon of 28th June, 1975.

3. On his reversion Shri Verma resumed the charge of the office of the Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 28th June, 1975.

No. A.32013/1/75-Admn.I—The President is pleased to appoint Shri G. P. Vij a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 52 days with effect from 1st May, 1975 to 21st June, 1975.

2. Shri G. P. Vij relinquished charge of the office of Under Secretary with effect from the afternoon of 21st June, 1975.

3. On his reversion Shri Vij resumed the charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 21st June, 1975.

No. A.32013/1/75-Admn.I—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service w.e.f. 15th May, 1975 to 5th July, 1975.

The 23rd July 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 2 months from 15th June, 1975 to 14th August, 1975 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Admn.)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd July 1975

F. No. N-2/65-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, S.P.E. hereby appoints Shri N. N. Tuli, Dy. Superintendent of Police of Delhi as Dy. Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/S.P.E. on deputation, with effect from the forenoon of 10th July 1975 until further orders.

The 26th July 1975

No. R-10/71-AD.V.—Director, C.B.I. and Inspector General of Police, S.P.E. in supersession of all previous notifications on the subject hereby appoints Shri R. Jagannathan, Crime Assistant, C.B.I. as Office Superintendent in officiating capacity in the C.B.I. Head Office with effect from 19th June, 1972 and until further orders.

G. L. AGGARWAL, Administrative Officer (E)
C.B.I.

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)
ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 12th July 1975

No. A-11/12/75—Shri M. P. Mehwala, Inspector of Income Tax, Bombay is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Ahmedabad Sub Zonal Office of this Directorate with effect from 1st July, 1975 and until further orders.

The 26th July 1975

CORRIGENDUM

No. A-11/10/75—Reference this Office Notification of even number dated 17th June, 1975, please read "Shri S. P. Shukla" in place of "Shri S. P. Shukla" as mentioned in the Notification.

NRIPEN BAKSI, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 22nd July 1975

No. P.VII-4/75-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Subedar Sohan Singh as DY. SP (Coy. Comdr. QM) in the CRPF w.e.f. the afternoon of 23rd June 1975 in a temporary capacity in leave vacancy until further orders.

2. He is posted to 3rd Signal Bn CRPF and has taken over charge of his post on the afternoon of the same date.

The 23rd July 1975

No. F.8/12/75-Estt(CRPF)—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri G. K. Chaturvedi, DY. SP of 26th Bn CRPF. w.e.f. the forenoon of 1st April, 1975.

No. F.8/6/75-Estt(CRPF)—The President is pleased to accept the resignation of Shri Ram Mohan Rao, DY. SP, 38th Bn CRPF w.e.f. the forenoon of 4th May, 1975.

The 29th July 1975

No. O.II-1023/75-Estt(CRPF)—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Akshay Kumar Satpathy as Junior Medical Officer in the CRP Force, on an *ad hoc* basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 21st May, 1975.

2. Dr. Akshay Kumar Satpathy, is posted to Group Centre, CRP Force, Gauhati.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Admn.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 14th July 1975

No. E-38013(2)/6/75-Ad.I.—Shri A. V. B. Mudaliar, Commandant Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India, Trombay, relinquished the additional charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Bombay Air Port Bombay with effect from the afternoon of 30th June, 1975.

The 21st July 1975

No. E-38013(3)/3/75-Ad.I.—On transfer to Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City, Shri Z. S. Sagar relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai-1 with effect from the afternoon of 5th July 1975 and vice him Shri A. S. Shekhawat assumed the charge of the said post with Headquarters at Bhilai-1 with

effect from the afternoon of the same date, on transfer from Durgapur Steel plant.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi-110011, the 24th July 1975

No. 11/7/75-RG(Ad.I)—The President is pleased to appoint Shri A.W. Mahatme, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra as Deputy Director of Census Operations in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 1st July 1975.

2. His headquarters will be at Bombay.

The 26th July 1975

No. P/I(1)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Imtikumzuk Ao, a member of the Nagaland Civil Service (Class I) Junior Grade, as Deputy Director of Census Operations, Nagaland in a temporary capacity for a period of one year with effect from the forenoon of 4th June 1975.

The headquarters of Shri Imtikumzuk Ao will be at Kohima.

No. 25/10/72-RG(Ad.I)—Consequent on his selection for appointment to Grade III of the Indian Statistical Service, Shri T. P. Das relinquished the charge of the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), Bihar with effect from the afternoon of 2nd July 1975.

The 28th July, 1975

No. 8/10/73-RG(Ad. I)—The following officers relinquished charge of the posts in the various Directorates of Census Operations with effect from the dates shown against each and their services were replaced at the disposal of the respective State Governments with effect from the same date :

S. No.	Name & designation	Name of the office	Date of relinquishment of charge	Service replaced at the disposal of
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Shri M. C. Joshi, Director of Census Operations	Director of Census Operations A & N. Islands	1-7-75 (FN)	Government of Uttar Pradesh
2.	Shri U. P. Srivastava, Dy. Director of Census Operations	Director of Census Operations, Bihar	30-6-75 (AN)	Government of Bihar
3.	Shri U. N. Pande, Dy. Director of Census Operations	Director of Census Operations, Bihar	1-4-75 (AN)	Government of Bihar
4.	Shri S. K. Jambavdekar, Dy. Director of Census Operations	Director of Census Operations, Maharashtra	30-6-75 (AN)	Government of Maharashtra
5.	Shri Newman Phillip, Dy. Director of Census Operations	Director of Census Operations, Meghalaya	30-6-75 (AN)	Government of Assam
6.	Shri R. N. Trivedi, Dy. Director of Census Operations	Director of Census Operations, Uttar Pradesh	30-6-75 (AN)	Government of Uttar Pradesh
7.	Shri S. S. Nigam, Dy. Director of Census Operations	Director of Census Operations, Uttar Pradesh	4-7-75 (AN)	Government of Uttar Pradesh
8.	Shri B. B. Pande, Dy. Director of Census Operations	Director of Census Operations, Uttar Pradesh	18-7-75 (AN)	Government of Uttar Pradesh

BADRI NATH,
Dy. Registrar General, &
Ex-Officio Dy. Secretary.

MINISTRY OF FINANCE
 (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
 INDIA SECURITY PRESS

Nasik, the 24th July 1975

No. 651/(A).—The undersigned hereby appoints Shri R. D. Kulkarni, Sectional Officer (Class III Non-gazetted), Currency Note Press, Nasik Road, to officiate as Administrative Officer (Class II—Gazetted) in India Security Press in the revised scale

of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, on an ad hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th July 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI,
 General Manager

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
 OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 24th July, 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

S. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Sarvashri				
1.	S. V. Venkataraman (P/97)	Permanent Accounts Officer	30-9-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta (on deputation to Defence Research and Development Organisation, Bangalore).
2.	W. G. Loharikar, (P/210)	Permanent Accounts Officer	31-10-75 (AN)	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
3.	K. Ramaswami, (P/213)	Permanent Accounts Officer	30-9-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta
4.	K. K. Shome (P/217)	Permanent Accounts Officer	30-11-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
5.	T. P. Padmanabhan (P/427)	Permanent Accounts Officer	30-9-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
6.	M. A. Khisti (O/9)	Officiating Accounts Officer	31-10-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
7.	G. M. Tipnis (O/37)	Officiating Accounts Officer	31-10-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
8.	T. R. Ganesan (O/219)	Officiating Accounts Officer	31-10-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.

(2) The following amendment is made to this department notification bearing No. 40011(2)/74-AN-A dated 9-6-75 so far as it relates to Shri D. Gopaladesikan, Permanent Accounts Officer (P/70) at Serial No. 2:—

“Under Column “Date of death”

For 15-5-75 Read 16-5-75

“Under Column “Date of struck off strength”

For 16-5-75 Read 17-5-75 (FN)

Name, designation & Date

- Shri G. D. Dalvi, Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman)—28th Feb., 1975 (AN).
- Shri H. V. Gadre, Offg. Asstt. Manager (Permt. Staff Asstt.)—30th Apr., 1975 (AN).

M. P. R. PILLAI,
 Asstt. Director General, Ordnance Factories

The 28th July 1975

No. 18363/AN-II.—On selection for appointment to the Indian Administrative Service, Shri Parkash Chander, Probationer in the Indian Defence Accounts Service has been struck off the strength of the organisation on the afternoon of 12th July 1975.

S. K. SUNDARAM,
 Additional Controller General of Defence Accounts
 (Admin.).

MINISTRY OF DEFENCE
 INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
 DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 22nd July 1975

No. 25/75/G.—On attaining the age of 58 years, the undermentioned officers retired from service with effect from the date shown against each:—

No. EST.I-2(402).—Shri S. Krishnan, Deputy Director (Dyeing) in the Weavers' Service Centre, Madras, is invalidated from Government Service with effect from the forenoon of 29th May, 1974.

R. P. KAPOOR,
 Textile Commissioner

MINISTRY OF COMMERCE
 OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 22nd July 1975

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION BRANCH A-6)

New Delhi, the 21st July 1975

No A. 17011 (28)/71-A6.—Shri Z. A. Bukhari, Permanent Examiner of stores and officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle of Directorate General of Supplies & Disposals retired from 30th June 1975 (AN) on attaining the age of Superannuation.

The 24th July 1975

CORRIGENDUM

No. A-17011/90/75-A.6.—Please read “Asstt. Inspecting Officer (Textiles)” for “Asstt. (Inspecting Officer (Engg.”) occurring in Para 1 and 2 of this Office Notification No. A-17011/90/75-A.6 dated 27th June 1975.

No. A-17011/91/75-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri O. P. Malhotra, Examiner of stores (Tex) in the office of the Dy. Director of Inspection Kanpur, under N-I-Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Tex) at Kanpur, w.e.f. the forenoon of the 1st July 1975, until further orders.

No. A-17011/92/75-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri R. C. Gupta, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the forenoon of 7th July, 1975, until further orders.

No. A.6/247(270)/60/II.—The President has been pleased to appoint Shri M. P. Chowdhury, Assistant Inspecting Officer (Met. Chem.) to officiate in the Met. Chem. Branch of grade III of the Indian Inspection Service, class I from the forenoon of the 1st July, 1975.

Shri Chowdhury relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met. Chem.) at Burnpur on 30th June, 1975 (AN) and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met. Chem.) at Durgapur under the Metallurgical Inspectorate Burnpur from the forenoon of the 1st July, 75.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 22nd July 1975

No. A.1/1(863).—Shri K. V. Subramanian, permanent Junior Progress Officer and Officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI, Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 22nd July 1975

No. A.1/1(1020).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri V. K. Sankaralingam, Superintendent in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Madras with effect from the forenoon of 1st July, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri V. K. Sankaralingam as Asstt. Director (Gr. II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 21st July 1975

No. 2222((VPL)/19A.—Shri Ved Prakash Laul, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India, is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th January, 1975, until further orders.

C. KARUNAKARAN, Director General.

Calcutta-13, the 25th July 1975

No. 3(5)/71(BB)/19B.—Miss Basabi Basu, B.E., Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India, is appointed as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 28th May, 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN, Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 28th July 1975

No. 17/42/49-Est.I.—The Chief Producer of the Films Division has appointed Shri P. V. Rao, Officiating Salesman, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager, in the same office with effect from the afternoon of the 11th July, 1975 vice Shri P. Das Gupta granted leave.

M. K. JAIN, Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL
ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd July 1975

No. A-30014(20/74-SVI).—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. P. Thandavarayan, Farm Radio Officer, All India Radio, Tiruchirapalli in a quasi-permanent capacity in the post of Farm Radio Officer with effect 1975 and until further orders.

The 24th July 1975

No. 4(78)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri U. Rasiah, Transmission Executive, All Executive All India Radio, Jeypore in a temporary capacity with effect from the 23rd June, 1975 and until further orders.

The 25th July 1975

No. 4(95)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. Tlanthanga as Programme Executive, All India Radio, Aizawl in a temporary capacity with effect from the 11th July, 1975 and until further orders.

No. 5(37)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri U. Rasiah, Transmission Executive, All India Radio, Calicut as Programme Executive, All India Radio, Trichur in a temporary capacity with effect from the 2nd July, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL, Dy. Director (Admn.)
for Director General

(PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi, the 16th May 1975

No. 16(37)/67-D(S)-II.—Shri R. P. Ghosh Accounts Officer, in the office of Accountant General, Central Revenues, New Delhi has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the office of Station Engineer, Central Stores, All India Radio, New Delhi with effect from 14th April, 1975 (FN) until further orders.

T. R. SABHARWAL,
Dy. Development Officer (Admn.)
For Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd July 1975

No. 26-8/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. L. Vig in a substantive capacity to the permanent post of Stores Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the 21st February, 1972.

No. 32-4/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Y. P. Oberoi in a substantive capacity to the permanent post of Health Education Officer at the Rural Health Training Centre, Najafgarh, Delhi with effect from the 16th February, 1975.

The 24th July 1975

No. 1-9/72-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Mukhopadhyay in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Professor of Safety Engineering at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the 21st March, 1972.

No. 17-17/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri U. S. Sharma to the post of Senior Food Inspector in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 24th June, 1975, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

The 25th July 1975

No. 26-2/70-Admn.I.—Consequent on his reversion from deputation on foreign service with the Indian Council of Medical Research, Dr. S. J. Rehman resumed charge of the post of Research Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the forenoon of 1st July, 1975.

The 28th July 1975

No. 17-28/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Saxena to the post of Assistant Secretary

(Indian Pharmacopoeia Committee) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 14th July, 1975 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. P. JINDAL
Dy. Director Administration (O&M)

(C. H. S. II SECTION)

New Delhi-11, the 24th July 1975

No. 2-41/75-CHS.II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. G. P. Shah, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (*ad-hoc*), Safdarjung Hospital, New Delhi, w.e.f. the afternoon of the 14th July 1975.

The 26th July 1975

No. 2-46/75-CHS.II.—Consequent upon the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs) Anjula Khanna relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (*ad-hoc*), Safdarjung Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 18th July, 1975.

R. N. TIWARI
Dy. Director Administration (CHS)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 16th July 1975

No. DPS, A.11013/11/74-Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Gulabhai Dullabhbai Rathod, a permanent Upper Division Clerk and officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (revised) in the same Directorate with effect from the forenoon of July 1, 1975 until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 21st July, 1975

No. 1/1/71/Estt. XII/2250—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned permanent Assistant Security Officers to officiate as Security Officers in this Research Centre for the periods indicated against each :—

S No.	Name	Period	
		From	To
1. Shri Waman Wasudev Waishampayan		2-4-1975 (FN)	5-6-1975 (AN)
2. Shri Krishnapuram Raman Pillai Venugopalan Nair		5-5-1975 (FN)	11-7-1975 (AN)
3. Shri Thenkurissi Vellapulli Rajan		6-6-1975 (FN)	11-7-1975(AN)

The 23rd July 1975

Ref : 5/1/75/Estt.V/466.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Girdharilal Shrivastava, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period 2nd June 1975 to 5th July 1975.

The 25th July 1975

No. Ref : 5/1/75/Estt.V/4934.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Jayant Vishwanath Naik, Assistant to officiate as Assistant Personnel

Officer in a temporary capacity in this Research Centre, for the period 12th May 1975 to 27th June, 1975.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 24th July 1975

No. E(1) 04390.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Sand, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre,

Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of seventy four days with effect from the forenoon of 21st June 1975 to 2nd September 1975.

Shri S. K. Saha, Offg Assistant Meteorologist remains posted in Regional Meteorological Centre, Nagpur.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist,
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th July 1975

No. A. 32013/2/75-FC.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Bandopadyaya, Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department to the grade of Controller of Communication, Calcutta, Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport purely on an *ad-hoc* basis for a period of 6 months w.e.f. 1st March, 1975 (F. N.) or till the vacancy is filled on a regular basis which ever is earlier.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 22nd July 1975

No. A. 38012/7/75-ES.—On attaining the age of superannuation, Shri M. N. Alasingrachar, officiating Aircraft Inspector, in the office of the Controller ad Aeronautical Inspection, Bangalore, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th June, 1975.

The 26th July 1975

No. A. 31013/2/73-ES.—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. P. S. Aroura, Calibration Pilot, Civil Aviation Department with effect from 18th October, 1973 (F. N.).

No. A. 32013/13/73-ES.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/13/73-ES, dated the 15th June, 1975, the President is pleased to extend beyond the 13th May 1975 the ad-hoc promotion of Shri N. John to the grade of Aircraft Inspector upto the 30th November, 1975 or till the post held by him is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 23rd July 1975

No. A. 32013/4/75-EH.—The President is pleased to appoint Shri V. Chellappa as Director of Air Safety in the Civil Aviation Department, New Delhi, on regular basis with effect from the 7th July 1975 and until further orders.

T. D. DHAWAN,
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd July 1975

No. 1/321/75-EST.—Shri N. K. Das, Supervisor, O.C.S., Calcutta Branch is appointed as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 17th June 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE,
Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 29th July 1975

No. 16/244/75-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri R. Sarvanan, Overseer, Southern Forest Rangers College, Coimbatore, as Asstt. Lecturer in Engineering and Surveying in the same office with effect from the forenoon of 26th June 1975, until further orders.

PREM KAPUR,
Registrar
Forest Research Institute and Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Guntur-522004, the 28th May 1975
CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No. 3.—Shri Y. V. Raghavendra Rao, Officiating Superintendent of Central Excise, Class II, M.O.R. Chintalapudi expired on 5th May 1975.

The 29th May 1975

No. 4.—Shri V. Veerabhadra Rao, Officiating Office Superintendent of Central Excise, has been appointed until further orders to officiate as Examiner of Accounts of Central Excise, in the Central Excise Collectorate, Guntur. He has assumed charge as Examiner of Accounts-I of Central Excise Hqrs. Office, Guntur with effect from 24th May 1975 A.N.

I. J. RAO,
Collector

Patna, the 19th July 1975

C. No. II(7)5-ET/75/7502.—Shri M. N. Singh, Officiating Superintendent Class-II, Central Excise & Customs Collectorate Patna has retired from service on superannuation with effect from 31st May 1975 (A.N.).

C. No. II(7)5-ET/75/7503.—Shri K. P. Sinha, Confirmed Superintendent Class-II Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 30th June 1975 (A.N.).

The 25th July 1975

C. No. II(7)5-ET/75/7564.—In this office Notification dated 29th May 1975, the name of Shri Laloojee Sahay shown therein may please be read as "Laloojee".

H. N. SAHU,
Collector,
Central Excise, Patna

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

CHEMICAL ESTABLISHMENT

New Delhi-110012, the 21st July 1975

No. 8/1975.—Smt. Vatsala Venkatesan, Chemical Assistant Grade I, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-12 has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from the forenoon of 11th July 1975 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN,
Chief Chemist, Central Revenues

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
PORT OF NEW TUTICORIN
Tuticorin-4, the 14th July 1975

No. A-22013/1-75/Admn/D.3417.—The Chief Engineer & Administrator/Port of New Tuticorin is pleased to appoint S/Shri M. Vedamanickam, Junior Engineer and V. Joss Jeyasingh, Junior Engineer in the Port of New Tuticorin, on

promotion, as Assistant Engineers (Civil) on the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200—on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 30th June 1975 and in the forenoon of 1st July 1975 respectively and until further orders.

D. I. PAUL,
Chief Engineer & Administrator

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE
SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES

Sriharikota Range the 26th June, 1975

No SCF/RMT/78.—In pursuance of the decision taken by the Government to convert the Indian Space Research Organisation into a Government body with effect from 1st April, 1975 the following Officers are appointed to the posts shown against each with effect from 1st April, 1975, in the SHAR Centre :

S. No.	Designation	Grade
1. Shri M Sreenivasulu	Asst. Purchase Officer	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200
2. Shri L P Rao	Do.	Do.
3. Shri S K Bashu	Asst. Admn. Officer.	Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960.
4. Shri K David	Station Officer	Do.
5. Shri K P Chandrasekharan	Engineer SB	Do.
6. Shri S. Sivaraman	Do.	Do.
7. Shri N Srinivasan	Do.	Do.
8. Shri P Balagangadharan	Do.	Do.
9. Shri M Vasudeva Mudaliar	Do.	Do.
10. Shri N S Raju	Scientist SB	Do.

Y. JANARDANA RAO,
Project Officer, SCF

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 5th July 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Ajit Gupta as Scientist/Engineer SB (Presentation Announcer) on a basic pay of Rs. 650 per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from June 5, 1975 and up to July 31, 1976.

The 7th July 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Brahmanand as Scientist/Engineer SB (Sound Recordist) on a basic pay of Rs. 650 per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from April 21, 1975 and up to July 31, 1976.

The 11th July 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—On deputation from Ministry of Information and Broadcasting, Government of India, Bombay, Shri H. P. Shrivastava Assistant Recordist, has joined the Space Applications Centre of the Indian Space Research Organisation, Bombay as Scientist/Engineer SB (Sound Recordist) with effect from February 11, 1975, and up to February 10, 1977.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Atul G. Desai as Scientist/Engineer SB (Asst. Music Director) on a basic pay of Rs. 775/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from June 11, 1975 and up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri B. G. Srinivas as Scientist/Engineer SB (Cameraman) on a basic pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs. 650—30—750—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from June 19, 1975 and up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Smt. Shobha N. Mody as Scientist/Engineer SB (Presentation Announcer) on a basic pay of Rs. 650 per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from June 7, 1975 and up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Subramanya K. as Scientist/Engineer SB Sound Recordist) on a basic pay of Rs. 650 per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from April 21, 1975 and up to July 31, 1976.

MAJOR R. C. SAMUEL (Retd.)
Administrative Officer-II

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 23rd July 1975

No. A.19012/514/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri V. Y. Ramamurthy to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc*

basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 14th December 1974.

Shri Ramamurthy took over charge of the office of Assistant Engineer, Central Flood Forecasting Sub-Division at Paithan (since shifted to Rajamundry) under the Central Flood Forecasting Division, Pochampad Damsite, with effect from the above date and time.

The 24th July 1975

No. A-19012/415/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Ajit Kumar Sen from the post of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group), Central Water Commission, with effect from the forenoon of the 1st February 1974.

No. A-12017/1/72-Adm.V(Vol.II).—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V(Vol.II), dated 18-4-75, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Research Assistants, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water & Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for further periods as shown below against each :—

1. Shri D. D. Soni—1-4-1975 to 25-5-75 (A.N.).
2. Shri Ranjit Datta—1-4-1975 to 25-5-1975 (A.N.).

No. A-12017/1/72-Adm.V(Vol.II).—In continuation of this Commission's notification No. A-12017/1/72-Adm.V(Vol.II), dated 18th April 1975, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Research Assistants, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group), in the Central Water Commission in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for further periods as shown below against each :—

1. Shri M. Bhowmik—1-4-75 to 30-9-75.
2. Shri M. P. Namboodri—1-4-75 to 30-9-75.
or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.
3. Shri S. A. Basha—1-4-75 to 3-6-75 (AN). He stands reverted as Research Assistant w.e.f. 4-6-75 (F.N.).

K. P. B. MENON, Under Secy.
for Chairman, C. W. Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 24th July 1975

No. 6/2/75-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants/Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri Vijay Kumar—7-6-75 (F.N.).
2. Shri M. P. Shrivastava—12-6-75 (F.N.).
3. Shri P. M. Singh—1-7-75 (F.N.).
4. Shri M. Siddiqui—5-7-75 (F.N.).
5. Shri Brij Kishore—30-6-75 (F.N.).

M. S. PATHAK, Under Secy.
for Chairman

NORTHERN RAILWAY

HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 4th July 1975

No. 7.—The following officers of Transportation (Traffic) & Comml. Dept., N. Rly. have retired from Rly. service from date shown against each :
S. No., Name of officer & Dt. of retirement

1. Shri D. K. Upadhyaya, Asstt. Optg. Supdt.. Moradabad—30-4-75 AN.
2. Shri M. L. Attrey, Asstt. Comml. Officer, Hd. Qrs. Office—30-4-75 AN.

3. Shri Mohinder Singh, Divl. Safety Officer, New Delhi—30-4-75 AN.

Sd./ILLEGIBLE,
General Manager,
Northern Railway

CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 22nd July 1975

No. HPB/220/G/II/W.—The following Class II Officers of the Civil Engineering Department are confirmed in Class II Service as Assistant Engineers in that Department from the date shown against each :
Sr. No., Name of the Officer and Date of Confirmation

1. Shri J. N. Nagu—1-3-74.
2. Shri J. D. Cooper—1-4-74.

B. D. MEHRA,
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Ahmedabad, the 22nd July 1975

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Colorantes Private Limited.

No. 328/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Colorantes Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956, and of the Sree Narayana Industrial and Trading Corporation Limited

Ernakulam, the 22nd July 1975

No. 1655/Liq/7225/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Sree Narayana Industrial & Trading Corporation Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Valayil Plantations Limited.

No. 2351/Liq/7212/25.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Valayil Plantations Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR,
Registrar of Companies,
Kerala.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kamlaendra Engg. Enterprises Private Limited.

Jaipur, the 24th July 1975

No. Stat/1419/5547.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kamlaendra Engg. Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL,
Registrar of Companies,
Rajasthan.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Krishna Mercantile Agency Private Limited.*

Madras-6, the 26th July 1975

No. DN/560(3)/2439/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Krishna Mercantile Agency Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Mani Chit Fund Private Limited.*

No. DN/3533/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Mani Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Coimbatore Mahalakshmi Agencies Private Limited.*

No. DN/4411/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date

hereof the name of Coimbatore Mahalakshmi Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Selvamuthukumaraswamy Bus Services Private Limited.*

No. DN/4643/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Selvamuthukumaraswamy Bus Services Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Tiles and Floorings Private Limited.*

No. DN/2936/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Tiles and Floorings Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN,
Assistant Registrar of Companies,
Tamil Nadu.

FORM ITNS

(2) Bibha Roy.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
I.A.C. ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 22nd July 1975

Ref. No. AC-220/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- 28/1B, situated at Jhamapukur Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shukanta Bose and Sm. Radhika Roy.
(Transferor)

(3) Lila Das Gupta, Manju, Bishnu, Debesh, Bholanath, Bomkesh & Narain Chowdhury, Dr. Bholanath Pyne, A. N. Mitra, Anil Chatterjee and Satyabrata Sarkar.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in Premises No. 28/1B, Jhamapukur Lane, Calcutta-9, comprising a total area of 5 cottahs 2 chittacks more or less and building thereon.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 22-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Preetam Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, the 18th July 1975

Ref. No. 68-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. District Bijnore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijnore on 24-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold land situated at District Bijnore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th July 1975

Ref No. Acq. 23-I-615(207)/1-I/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No. S. No. 67, 68, Sub-Plot No. 9, F.P. No. 387, T.P.S. 19 situated at Navrangpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Daulatben Kunvarji Umarigar, Maharashtra Society, Mitha Khali, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anandini Flats Co-operative Housing Society Hansa Villa, Navrangpura Near Railway Crossing, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot admeasuring 441 sq. yards bearing S. No. 67, 68, Sub-Plot No. 9 Final No. 387, of T.P.S. 19 and situated at Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surendra Nath Gupta and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th July 1975

Ref. No. 12-U/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/252 situated at Mohalla Senpura Varanasi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 16-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt Urmila Devi and others.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A half portion house No. 7/252 situated at Senpura Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-7-1975

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Chandra Kishore Khanna,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW**

Lucknow, the 19th July 1975

Ref. No. 15-C/Acq.—Whereas, 1, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-59/37 situated at Mohalla Mamur Ganj Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 5-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :—

(2) Chandra Kumar Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 portion of house No. D-59/37 which includes land and trees situated at Mohalla Mamur Ganj Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-7-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Uma Khanna,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandra Kumar Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th July 1975

Ref. No. 15-C/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-59/37 situated at Mohalla Mamur Ganj Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 26-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 portion of House No. D-59/37 situated at Mohalla Mamur Ganj Distt, Varanasi with the open land and trees.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Prabha Rani,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 18th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 34-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 268B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Chowak Chunar District Mirzapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mirzapur on 2-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the register; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Amreshwar Prasad Agarwal.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Location of properties are as under :—

1. One Cinema building situated at Chowak Chunar Mirzapur.
2. One House situated at Sadhpur Chunar Mirzapur.
3. One delapidated house situated at Chowak Chunar Mirzapur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Surrendra Nath Gupta and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prahalad Dass.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW**

Lucknow, the 19th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 35-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/252, situated at Mohalla Sainpura Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 16-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A half portion house No. 7/252 situated at Sainpura Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Globe Steerings Limited.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-
400020

Bombay-400 020, the 29th July 1975

Ref. No. AR.V/225/21/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No 742/4 and 742/5 situated at Mulund, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Globe Auto Electricals Ltd.

(Transferor)

(3) Globe Steerings Limited.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate at Mulund in the registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban bearing Survey No. 372-D (part) and 372-B (part) and now bearing City Survey No. 742/4 and 742/5 admeasuring 9974.06 sq. metres or thereabouts and bounded as follows that is to say; on or towards the North by Property belonging to Globe Auto Electricals Ltd. bearing Survey No. 742/1 to 3, on or towards the South by property bearing City Survey No. 739, 740, 744 and 746, on or towards the East by property bearing City Survey No. 741 and 688 and on or towards the West by property bearing City Survey No. 742/2 and 3 belonging to Globe Auto Electricals Ltd. and land bearing survey No. 853 and 743 and Municipal Dumping Road,

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 29-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Syed Sayeed Ahmed, Razia Begum, and Smt. Rasheeda Begum, all three residing at H. No. 16-9-685/1 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Sri Syed Ibrahim, S/o Syed Meeran, R/o H. No. 16-9-685/1 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 28th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC.No.87/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-9-685/1 (Portion) situated at Old Malakpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property : Portion of ground floor of H. No. 16-9-685/1 situated at Old Malakpet, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayendrakumar Waman Wagh & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 24th July 1975

Ref. No. AR-II/1088/3014/75-76.—Whereas, I, M. J. Mathan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 90 H. No. 2 C.T.S. No. H/172 situated at Village, Danda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Smt. Ramtikai S. Mokan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of lands or grounds and premises situate lying and being in Village Danda at Phirozshah Street, Santa Cruz (West) in Greater Bombay in the registration sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and admeasuring 2809, 40 square metres (equivalent to 3360 sq. yds.) or thereabouts being formerly T.P. Plot No. 20A Final Plot No. 90 now sub-divided under Town Planning Scheme, Santa Cruz into four sub-plots and being land bearing Hissa No. 2 of Survey No. 57 of Village Danda C.T.S. No. H/172 and bounded as follows that is to say on or towards the North by the property of Mrs. Durlabhji Desai, being partly Final Plot No. 92, on or towards the South by formerly Plot No. 20B and now Final Plot No. 89 of T.P.S. Santa Cruz on or towards the East by Western Railway's property and on or towards the West by a Public Road known as Phirozshah Street.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 24-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Syed Sayeed Ahmed, Smt. Razia Begum and Smt. Rashheda Begum all residing at H. No. 16-9-685/1 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Syed Ishaq S/o late Syed Meeran, H. No. 16-9-685/1 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 28th July 1975

Ref. No. RAC.No. 86/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-9-685/1 (Portion) situated at Old Malakpet, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 12-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property : East portion of House No. 16-9-685/1 at Old Malakpet, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 28-7-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Hindusthan Builders, 'Unity House', Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mahabir Pershad Agarwal, East Mallepally, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 79/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 31, situated at 'Unity House' Abid Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 31, On the Ground floor of 'Unity House' Building, Abid Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Veeriah S/o Balliah, 8-1-244, Shaikpet
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durga Pershad Saheb S/o Tarachand Saheb,
H. No. 14-6-241, Chudi Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

(3) (Transferor)
(Person in occupation of the property)

(4) (Transferee)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Hyderabad, the 11th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. R.A.C. 73/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-9-608 to 611, situated at Mahaboobgunj, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 16-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One pucca building bearing No. 15-9-608 to 15-9-611, of which the upper portion is pucca constructed bearing No. 15-9-584, of which one Kotha, godown bearing No. 15-9-583, situated at Mahaboobgunj, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Todabai Rep. G.R.A. holder Sri Ganesh Pershad, 4-1-305, Troopbazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nernj Pershad Minor, under Guardianship of Smt. Chandrakanthabai, 4-1-305, Troopbazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 67/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-3-397 to 402 situated at Troopbazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the **Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the **Official Gazette**.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 4-3-397 to 402, measuring 97.73 Sq. Metres, situated at Troopbazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. N. Gangakhedkar, C/o V. J. Deshmukh, 2-1-58, Nallakunta, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bansi Pershad Srivastava, Lower Dhoopet,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. R.A.C. No. 63/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-1-482 to 484 situated at Jambagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 16-12-1971, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5-1-482 to 484, Jambagh, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

18—206GI/75

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. 74/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-5-294 & 295, situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 11-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mir Muzzaffar Ali Khan S/o Late Justice Mir Basith Ali Khan.

(2) Shri Mir Azam Ali Khan S/o Late Justice Mir Basith Ali Khan, Through G. P. A. Holder Mir Muzzaffar Ali Khan, Seetha Mahal Bomenji Patil Road, Bombay-26.

(Transferor)

(3) Shri Abdul Khair Siddiqui S/o Nazeer Hussain Siddique, No. 11-5-294, Red Hills, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of land together with the building being part of the premises bearing Municipal No. 11-5-294 & 295, situated at Red Hills, Hyderabad shown in the plan.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Todabai Represented by her G.P.A. Ganesh Pershad, 4-1-305, Troopbazar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. R.A.C. No. 66/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-3-403 to 405 situated at Troopbazar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 23-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 4-3-403 to 405, Troopbazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s. THREE ACES, Partnership firm, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. 62/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/Shop No. 2, situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri Osman S/o Saleh, Business, Armoor, Dist. Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 with land and first floor, thereon terrace forming of premises known as 'Bait-ul-Aman' bearing No. 4-1-938, admeasuring 39.08 Sq. Mtrs. situated at Tilak Road, Hyderabad with right to use front common Road and also for car parking as delineated in the plan.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Three Aces, Partnership Firm, Tilak Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sh. Suleman S/o Saleh, Business, Armoor, Nizamabad Dist.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 63/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/Shop No. 3, situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad, on 13-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (4) Transferee
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 3 with land and first floor, thereon with terrace forming part of premises known as 'Bait-ul-Aman' bearing No. 4-1-938, admeasuring 38-08. Sq. Metres situated at Tilak Road, Hyderabad, as delineated in the plan.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

M/s THREE ACES Rep. by its partners :

- (1) Sri Bishenlal Ahuja S/o late Hardas Singh; (2) Satish Kumar Ahuja S/o B. L. Ahuja; (3) Smt. Gian Kumar W/o R. C. Wadhi; (4) Darshan Kumari W/o Harprasad Dhangra; (5) Harnam Kumari W/o Ravi Kumar Peshwari; (6) Shashi Rani D/o B. L. Ahuja. C/o M/s. Three ACES, Tilak Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) 1. S/Shri Ali; (2) Osman (3) Suleman Sons of Saleh; (4) Smt. Zubeda Begum W/o Suleman. Business; Armoor Taluk, Dist. Nizamabad.
(Transferee)
- (3) Transferees (Person in occupation of the property)
- (4) Transferees (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. 60/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1/938, situated at Tilak Road, Hydrerabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hydrerabad, on 13-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Newly constructed shop-cum-stair case with land and the first floor with stair case and terrace forming part of premises known as 'Bait-ul-Aman' bearing Municipal No. 4-1-938, measuring 42.00 Sq. Yds. situated at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Sri Rishi Raj Jaiswal/Minor, under the Guardianship of his mother Smt. Rameswari Bai, H. No. 4-1-1203, Bogulkunta, Hyderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. 68/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-3-396, situated at Troopbazar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 23-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Todabal Rep. by her G. P. A. Canesh Pershad, 4-1-305, Troopbazar, Hyderabad.

(Transferor)

(3) Transferor (Person in occupation of the property)

(4) Transferee (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 4-3-396, measuring about 64.66 Sq. Metres situated at Troopbazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. THREE ACES Partnership firm, Tilak Road,
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.65/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938, situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 13-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Sri Ali S/o Saleh, Business, Armoor, Nizamabad Dist.

(Transferee)

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 with land and with first floor and terrace, at the Western side abutting main Tilak Road, and forming part of premises known as 'Bait-ul-Aman' bearing No. 4-1-938 admeasuring 51.89 Sq. Metres situated at Tilak Road, Hyderabad with right to use front common Road and also for car parking as delineated in the plan annexed hereto.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

- (1) Gandavarapu Plireddi; (2) G. Boyireddi; Gudipallipadu, Nellore Tq. (3) Yenamala Pithchamma Kothavalava Nellore Tq. (4) Kalambaka Rangayya; (5) K. Ramanayya; (6) K. Narasimham, Kothakavalav Nellore T. (7) Dontu Veerayya; (8) D. Subbarayayya (9) D. Ramanayya Kothakavlaya Nellore (10) K. Ramanayya S/o Chinnayya; (11) K. Narayana S/o Venkayya (12) K. Venkureddi Minor by Guardian Venkayya (13) K. Venkayya Gudipallipadu.

(Transferor)

- (2) Dodla Seshareddi, Managing Director, Sriram Sel-lucose (Private) Ltd., Nellore.

(Transferee)

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 81/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 389/1 situated at Cuddapallapadu Indukurpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indukurpet, on 24-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—206 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cudapallapadu Panchaya, Indukurpet, Nellore, Survey No. 389/1, Patta No. 43, Acres 5.31 cents. Dry land.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri G. Mahipalreddy, S/o G. Narayanreddy, R/o
3-6-573, Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Prakash Deshpande, 3-6-145/4/A, Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. R.A.C. No. 148/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-145/4/A situated at Himayatnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 11-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property : House No. 3-6-145/4/A, (Double storied building) Himayatnagar, Hyderabad. Area : 114 Sq. Mts.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-3-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.(1) Shri S. Manmohan Raj Singh S/o Late S. Gurbachan
Singh R/o 60/30 New Rothak Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jiya Lal Jain S/o Shri Balwant Singh Jain, F-
22, South Extension Scheme Part-I, Ring, Road,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri N. K. Jain (First Floor) Shri Ved Parkash
(Barsati Floor) South Extension Scheme Part-I, Ring
Road, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property.]Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 9th July 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/JanI/576(13)/74-75.—Whereas,
I, C. V. Gupte,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
No. F-22, situated at South Extension Scheme Part-I, Ring
Road, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi, on 7-1-1975,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the said parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I here-
by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act,
to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period
of 30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 200 Sq. Yds. together with a 2½
Storeyed building built theron bearing Plot No. F-2, situated
in South Extension Scheme Part II, Ring Road, New Delhi and
bounded as under :—

North : Plot No. F-23.
East : Road
South : Plot No. F-21.
West : Service Lane.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raj Kumar Khanna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandra Kumara Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 19th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref No. 15-C/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-59/37, situated at Mohalla Mamur Ganj Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi, on 5-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 portion of house No. D-59/37 situated at Mohalla Mamur Ganj District Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati L. Ambika Kunjamma, D/o Lakshmi Kunjamma, Mathoor Sankaramangalam, Punnappa Alleppey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
'JYOTHI BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 4th August 1975

Ref. L. C. No. 44/75/76.—Whereas, I, M. M. Kurup, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ayiranimuttom Village in Trivendrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalai on 6-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) (i) Shri P. Narayanan Nair, Proprietor, M.P. Telegraph & Wire test College, Trivendrum.
(ii) Smt. Bhanumathy Amma, W/o P. Narayana Nair Attankulangara, Trivendrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

25.585 Cents of land in Sy. Nos. 7/1, & 39/24 of Ayiranimuttom Village in Trivendrum Taluk in Trivendrum District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 4-8-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) For & on behalf of Parshwanath Land Organisers :—
Partners :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th August 1975

Ref. No. Acq. 23-I-638(208)/I-/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 105, T.P.S. No. 3, situated at Sheikhpur-Khanpur alias Navrangpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kiritkumar Parshotamdas Patel Hari-Siddhkrupa Society, Naranpura, Ahmedabad.
- (2) Smt. Indraben Navinbhai Patel, Dineshnagar Society, Near Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad.
- (3) Shri Pravnbhai Chunibhai Patel, Dineshnagar Society, Near Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad.
- (4) Smt. Surajben Chunibhai Patel, Dineshnagar Society, Near Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad.
- (5) Shri Dahyabhai Motibhai Patel, Hasmukh Colony, Naranpura, Near Sanghvi High School, Ahmedabad.
- (6) Smt. Prabhaben Mukeshbhai Patel, Harisiddhakripa Society, Naranpura, Ahmedabad.
- (7) Shri Umedbhai Motibhai Patel, Hasmukh Colony, Naranpura, Near Sanghvi High School, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Mohan Housing Corporation, Relief Road, Opp. Zakaria Masjid & Kalupur Police Chowky, Ahmedabad-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 2.78% share of constructed property i.e. 39.1 sq.mts. (420.6 sq. ft.) shop on ground floor of Parshwanath Chambers bearing Final Plot No. 105, T.P.S. No. 3, and situated at Sheikhpur-Khanpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Thakorhai Bhikhabhai Desai, Sagampura, Zandu Sheri, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th August 1975

Ref. No. PR.229/Acq. 23-346/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rev. Sur. No. 71 Part Majura, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Jai Shri Jalaram Industrial Co-op. Service Society, Surat through :
Chairman : Navinchandra Chimanlal
Hon. Manager : Bhogilal Tulsidas Vankar,
Comm. Member : Jagdishchandra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Rev. Sur. No. 7, Paiki admeasuring 18005 Sq. yds. situated at Udhna-Magdalla Road, Majura, Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 28 of January, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 4-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Natverlal Chimanlal Dalal,
Chabutra Sheri, Devgadh Baria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th August 1975

Ref. No. PR.230/Acq.23-426/15-2/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 454 Hissa No. 1 City S. No. 674 Paiki an Hectare 0-91.05 situated at Devgadh Baria, Dist. Panch Mahal,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Godhra on 21-1-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Natverlal Chimanlal Dalal,
Chabutra Sheri, Devgadh Baria.
- (2) 1. Baria Hume Pipe Industries, Devgadh Baria
Through its partners Shri Bipinchandra Chimanlal Dalal;
2. Natverlal Chimanlal Dalal;
3. Rameshbchandra Ochhavial Dalal;
4. Pravinchandra Shantilal Dalal;
5. Suryakantaben Kanaiyalal Dalal;
6. Ramanlal Shankerlal Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Rev. S. No. 454/1 City Sur. No. 674 admeasuring Hectare 0-91-05 situated at Devgadh Baria, Dist. Panchmahal as fully described in sale deed registered under Registration No. 75 on 21-1-75 by Registering Officer, Godhra.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 4-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Yelkoor Bassamma, W/o Bassappa, R/o
Gadwal, post. 509125 Mahaboobnagar Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th August 1975

Ref. No. RAC.No. 89/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9-4-102 situated at Mangale Wandha St. Gadwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadwal on 7-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—206GI/75

(2) Sri D. K. Satya Reddy, S/o Krishna Reddy, R/o Gadwal, post 509125 Mahaboobnagar, Dist. Managing Director Satyam Span Pipe and Agro Industries, Pvt. Ltd. Gadwal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : No. 9-4-102 situated at Mangale Wandla Street, Gadwal, Tq. Mahaboobnagar Dist. A.P. with machinery.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-8-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Messrs. Precision Engineers, 78, old Madras Road, Doorvaninagar, Bangalore-16 by partners T. T. Narasimhan and Shri T. T. Jaganattan.
(Transferor)

(2) M/s. T. T. (Private) Ltd., No. 78, old Madras road, Doorvaninagar, Bangalore-16.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd August 1975

No. CR.62/3514/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

lands and buildings premises, shops together with the land bearing survey number 78, Vijapura, also known as Kothur village, situated at Krishnarajapura Hobli Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bangalore South Taluk, Document No. 7630/74-75 on 28-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of garden land and wet land (a mistake for dry land), together with buildings, shops and other structures and the well thereon, situated at Vijanapura, also known as Kothur Village, Krishnarajapura Hobli, Bangalore South Taluk, bearing Survey Number 78, and consisting of one acre and 36 guntas, excluding a piece of land on the northern side, measuring East and West 24 feet and North and South 64 feet, situated in the North Eastern Corner of the said survey number 78.

Boundaries :

North : Old Madras road.

South : By channel and land owned by a private party.

East : By land owned by a private party.

West : by land owned by a private party.

Document No. 7630/74-75 dt. 28-12-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-8-1975

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Nanjamma, (2) Smt. Yashodamma, (3) Shri H. Gopal Reddy, (4) Shri H. Raghava Reddy, (5) Sri H. Balarama Reddy, Hoodi village, Krishnarajapuram Hobli, Bangalore South Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th July 1975

No. CR. 62/3515/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a revenue land measuring 4 acres and 31 guntas, in S. No. 127, Hoodi village, K. R. Puram, Hobli, situated at Bangalore South Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Document No. 7672/74-75 on 30-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri B. G. Aswath, s/o late Shri Gangappa, No. 721, 1st stage, Indira-nagar, Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a revenue land measuring 4 acres and 31 guntas in S. No. 127, Hoodi village, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

Document No. 7672/74-75 dt. 30-12-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-7-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th July 1975

No. CR. 62/3533/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 70 the property being a vacant site bearing No. 12/3A, of Karithimanhalli, Aswathakatte Road, situated at (Mysore Road Cross), Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Basavanagudi, Bangalore-4, DOC. No. 4135/74-75 on 16-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri G. Ramakrishna Naidu, s/o Shri C. Chinappa swami Naidu (2) Shri P. Damodaran, s/o Shri Perisami Pillai both partners of M/s. R. D. Engineering Works, No. 63, Manavarthpet, Sultanpet Cross, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) M/s. Satyankar Traders, Merchants, No. 45, Byrasandra Road, Tilaknagar, Bangalore-11, represented by their General Power of Attorney Holder, Shri S. G. Satyanarayana Rao, s/o late Shri S. Ganeshiah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site measuring 70 ft. x 70 ft.= 4900 s. ft. bearing No. 12/3A, (Corporation Dn. No. 24) of Karithimanhalli, erstwhile Aswathakatte Road, (Mysore Road Cross), Bangalore.

Boundaries :

East : By portion of site No. 12/3 belonging to Shri L. Minihappa.
West : By Aswathakatte Road.
South : By Road and Calande Machine Factory.
North : By Road.
DOC. No. 4135/74-75, dtl 16-12-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Abdul Hameed Khan, s/o Shri Abdulla Khan,
K-40, Upstair, Sidde Gowda Street, Bangalore-4.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

* (3) Shri Hameed Pasha.
(Person(s) in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 2nd August 1975

No. CR.62/3671/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential House No. 24, Byrasandra, I Block East, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore-11, Doc. No. 3413/74-75 on 30-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babajan Ali, s/o Shri Usman Ali, No. 27, Khajee Street, Md. Block, Basavangudi, Bangalore-
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 24, Byrasandra, I Block East, Jayanagar, Bangalore-11.
Site area : E.W : 40 ft.

1720 sft.

NS : 43 ft.

Boundaries :

East : Nanjamma's House
West : Lane & Prasab's House
North : Lane Shanna Mariah's House
South : Road
D.O.C. No. 3413/74-75, dated 30-12-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 2-8-75

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) The Thanagalbari Estate (P) Ltd. No-Ali, Jorhat-
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jnathendra Nath Saikia, Tarajan, Jorhat-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
(C.A.), ACQUISITION RANGE, SHILLONG
SHILLONG.

Shillong, the 4th August 1975

No. A-109/Ghy/75-76/1661-69.—Whereas, I, EGBERT SINGH,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Dag No. 346, Patta No. 147 situated at New Town Ulubari,
Gauhati,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Gauhati on 4-2-75,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) bigha, 2 (two) Kathas, 19 (nineteen) Lechas covered by Dag No. 346, patta No. 147 situated at New Ulubari Town in Kamrup District of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 4-8-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) (1) Shri Nandlal Kedia, s/o Hanuman Kedia, (2) Shri Ghanshyamdas Kedia, s/o N. Kedia, (3) Shri Satyanarayan Todi, s/o Durgadutta Todi, (4) Shri Suresh Kr. Todi, son of Shri Durgadutta Todi, Haibar Town, Nowgong.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
(C.A.) ACQUISITION RANGE. SHILLONG

Shillong, the 6th August 1975

No. A-106/NGG/75-76/1702-16.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 877, 878 situated at Haibargaon, Nowgong, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nowgong on 13-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Abdul Jabbar Bhuyan, (2) Shri Sarfuddin Ahmed, (3) Md. Abdul Hakim Bhuyan, Haibar Town, Nowgong.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) katta, 2 (two) lechas covered by Dag No. 877 and 878 comprising 3 katta 18 lechas and 4 (four) lechas respectively with a house standing thereon situated at Haibargaon in Nowgong Dist. of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
(C.A.) Acquisition Range, Shillong.

Date : 6-8-75.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 4th August 1975

No. PR.231/Acq.23-362-6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 114, Plot No. 51-A & 52-A land and building situated at Shreenagar Society, Padra Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lilaben Natubhai Patel through : Power of Attorney holder Chandubhai Raojibhai Patel, 37, Ganesh Society, Pratapnagar, Sidhnath Road, Baroda. (Transferor)

(2) 1. Shri Jadavji Mulji Patel; 2. Shri Ramesh Jadavji Patel; 3. Shri Vanravan Jadavji Patel, C/o Kanjibhai "Mamat" Arunoday Society, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and bungalow bearing S. No. 114 Plot No. 51A and 52-A total land area 10215 Sq. ft. situated in Sreenagar Society, Padra Road, Baroda as fully described in sale deed registered under No. 1216 dated 19.2.75 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 4th August, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Renuka Apartments, 431/195, Shukrawarpeth,
Poona-2. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Renuka Co-operative Housing Society Ltd.,
Chairman, Dr. M. A. Joglekar, 135/5, Erandawana,
Poona-4. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) 1. Shri P. D. Deshpande, 2. Shri M. P. Limaye, 3.
Smt. Tara Y. Sane, 4. Dr. Ashok Kanitkar, 5. Smt.
S. R. Kulkarni, 6. Smt. S. P. Kulkarni, 7. Shri
R. L. Kulkarni all residing at 135/5, Erandawana,
Poona-4. (Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Poona-411004, the 6th August 1975

No. C.A.5/December '74/Haveli-II/(Poona) 222 of 75-76.
 —Whereas, I, H. S. AULAKH,
 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 135/5/, Erandawana, situated at Erandawana (Poona), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Haveli-II (Poona) on 1.12.1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Final plot No. 135/5 Erandawana, Poona-4.
 Area : 533.80 Sq. Mtrs.

Building built in 1972-73 having 3 stories plinth area of each floor 1900 sq. ft.

(Property as mentioned in the Registered deed 2550 of December 1974 in the Registering Authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 21—206 GI/75

Date : 6.8.1975.
 Seal :

FORM ITNS

(2) Nandish Apartments Cooperative Housing Society Limited.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay-400020, the 4th August 1975.

(3) Members. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land being Plot No. 18-A in Town Planning Scheme No. V. Santacruz East, of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra admeasuring 1240 Square Yards or 1034 Square Meters or thereabouts bearing C.S. No. 1/123 and bounded as follows : on or towards the west by a public road, on or towards the East by Plot No. 18-B of the same Scheme, on or towards the South by Plot No. 17 & 34 of the same Scheme on or towards the North by Plot No. 19 of the same.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Motumal Balchand Panjwani & Harchand Motumal Panjwani. (Transferor)

Date : 4-8-1975.

Seal :

M. J. MATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay,

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA.**

Poona-411004, the 6th August 1975

No. C.A.5/December '74/Haveli-II (Poona)/223|75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the competent authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
135/6, Erandawana (Poona),
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Haveli-II (Poona) on 31-12-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(1) (1) Smt. Ramadevi alias Malati Madhav Bawoor,
C/o. Dr. S. S. Bapat, 611 Sadashiv peth, Poona-30.
(2) M/s. Renuka Apartments, 431/195, Shukrawar
peth, Poona-4.
(Transferor)

(2) Shri Renuka Co-operative Housing Society Ltd.,
Chairman, Dr. M. A. Joglekar, 135/6 Erandawana,
Poona-4.
(Transferee)

(3) 1. Mrs. S. S. Agte, 2. Mrs. S. S. Joshi, 3. Mrs.
S. A. Gondhalekar, 4. Dr. M. A. Joglekar, 5. Shri
V. B. Shirali 6. Shri S. S. Apte, 7. Smt. S. P. Kul-
karni all residing at 135/6 Erandawana, Poona-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold final plot No. 135/6, Erandawana, Poona-4.

Area : 533.60 sq. mtrs.

Building built in 1972-73 having 3 stories plinth area of
each floor : 1900 sq. ft.(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2549
of December 1974 of Registering authority Haveli-II, Poona.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

H. S. AULAKH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 6.8.75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Pemraj, s/o Ramilal, 83/1, Kenchappa Road, Frazer Town, Bangalore-5. (Transferor)

(2) 1. Shri Kesrimul, s/o Shri Hagamilalji, 2. Shri Sujan Singh s/o Shri Hagamilalji, No. 26, Tannery Road, Bangalore-5. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 7th August 1975

No. C.R. No. 62/3527/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant dry land measuring One Acre and Ten Guntas in S. No. 93, Kariyannapalyam, situated at Kacharkanahalli Dakla, Lingarajapuram Extension, Bangalore North Taluk, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bangalore North Taluk, Bangalore, Document No. 5449/74-75 on 16-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant dry land measuring One Acre and Ten Guntas in Survey No. 93, situated in Kariyannapalyam, Kacharkanahalli Dakla, Lingarajapuram Extension, Bangalore North Taluk, Bangalore.

Boundaries :—

East by : Land belonging to Shri Lakshminarayana.
West by : Land belonging to Shri P. N. Jani.

North by : Venkataramanappa's land.

South by : Land belonging to Shri Chennappa.
(including the right of using the Cart Track about 4 yards wide leading from the Main Road to this Survey No.

(Document No. 5449/74-75 dated 16-12-1974).

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date : 7-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Surindar Kumar S/o Saradari Lal r/o Phillaur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

'Ref. No. A.P. 1096.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at Phillaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in December, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopal Singh s/o Prem Singh R/o Phillaur.
(Transferor)

(3) As per Ser. No. 2 above.
(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the shop.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in Regd. deed No. 3539, of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-8-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhajan Singh s/o Sardas r/o Jandiala.
(Transferor)

(2) M/s Kink Land Finance Pvt. Ltd. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1097.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jandiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3540, of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri G. S. Toki, Chief Engineer, B&R Patiala.
(Transferor)(2) Shri Chanan Ram s/o Kirpal Ram r/o Phillaur,
Mohalla Parakha.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.](4) Any person interested in the House.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1098.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Phillaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Dec. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3675 of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Hans Raj s/o Sudagar Mall s/o Shri Dalbagh Rai of Rasta Mohalla, Phagwara Gate, Jullundur,
(Transferor)

(2) Smt. Santosh Rani w/o Shri Manohar Lal, s/o Mallo Ram (Bhushan Uvding Works, Adda Hoshiarpur, Jullundur).
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the building.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1099.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jullundur (Rasta Mohalla), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Buliding as mentioned in Regd. deed No. 7332 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vazir Chand s/o Shri Ram Ditta Mall s/o Ganga Ram Arora, Najrat Nagar, Jullundur (H. No. 12).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satpal s/o Sati Ram s/o Shri Moola Raj, Basti Nau, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1100.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Basti Nau, Najrat Nagar H. No. 12, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 7315 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—180GI/75

22—206GI/75

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh, Swarn Singh, Gian Singh s/o
Shri Mota Singh s/o Boota Singh, Vill. (Kothi),
Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash s/o Pooran Chand s/o Mohri Ram
(Mubarkpur) Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. A.P. 1101.—Whereas, I, Ravinder Kumar,
being the Competent Authority under section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Kotla (Near Nurpur),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Jullundur in Nov. 1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the Said Act in respect of any
income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7508 of Nov. 1974
of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the Said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jagjit Kaur w/o Shri Charanjit Singh, W.G.
435 Mohalla Swaraj Gang, Jullundur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Veeran Bai w/o Shri Ram Nath Old Railway,
Road, Gali Eranian, N.C. 101, Jullundur City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the plot.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

Jullundur, the 4th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1102.—Whereas, I, Revindar Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Purani Kachari, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot as mentioned in Regd. deed No. 1583 of May, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Malkiat Singh s/o Shri Pakhar Singh of Jullundur, H. No. 152-B.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shri Baldev Singh s/o Shri Biru Ram of Jullundur, W.H. 206, Rajit Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1103.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ranjit Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, of the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 7242 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manket Singh s/o Pakhar Singh of Jullundur,
House No. 152-B Ranjit Nagar, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lachman Kaur w/o Baldev Singh of Jullundur,
W.H. 206.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1104.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ranjit Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the house.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

House as mentioned in Regd. deed No. 7240, of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gulzar Singh s/o Prem Singh and Darshan Singh, Bikram Singh and Ram Nath through G. A. Darshan Singh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Gujarat Rubber Industries, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1105.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Industrial Area, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7487 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pirthi Singh s/o Milkhi Ram 21-Rajinder Nagar, Jullundur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1106.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Rajinder Nagar, Ladhawali, Road, Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the house.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House as mentioned in Regd. deed No. 7601 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Gurbax Singh s/o Meehan Singh s/o Shri Kesar Singh (Churka), Teh. Phillaur Distt. Jullundur H. No. 7.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Charn Kaur w/o Shri Kabir Singh s/o Shri Ishar Singh in Moyeet Nagar, Jullundur, H. No. 7.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1107.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ranjit Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7212 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jaswant Singh s/o Tarlok Singh, Dhobi Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1108.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Dhobi Mohalla, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

23—206GI/75

(2) Shri Sohan Dev c/o Amar Nath Shri.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the house.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 7407 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ranjit Kaur wd/o Gulzar Singh, V. Sura Pati
Amanatpur, Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baba Singh s/o Ganga Singh of Vill. Sura Pati
Amanatpur, Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

Jullundur, the 4th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. 1109.—Whereas I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Sura Pati (Amanatpur), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as per Regd. deed No. 7540 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Ram Parkash s/o Puran Chand Mubarkur,
Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1110.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Katala Teh. & Distt. Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Singh, Sohan Singh, Naranjan Singh s/o Sh. Mota Singh s/o Boota Singh, Vill. Kotta, Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7507 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-8-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Atma Singh s/o Harnam Singh, R.O. Nwan-shahr.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Tarsem Kaur d/o Dalbir Singh S/o Satpal Singh, R.O. Babeli, Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1111.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Nwanshahr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 80 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE.

Property as mentioned in Regd. deed No. 3392 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nawanshahr.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 4-8-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narotam Dev s/o Bhagat Ram s/o Baboo Ram
R.O. Kacha Toba, Hoshiarpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(2) Shri Durga Das s/o Devi Chand, R.O. Gold Smith
Sutheri, New Colony, Rajnagar Nagar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to
be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 4th August 1973

Ref. No. A.P. 1112.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Pandoori, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Nov. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3060 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1973.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Man Singh s/o Sohan Singh s/o Natha Singh
r/o Mansurpur, P.O. Mukerian, Teh. Dasuya,
(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh, Joginder Singh S/o Hira
Singh s/o Gopal Singh, r/o Mansurpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to
be interested in the property.]

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. 1113.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mansurpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mukerian in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1575 of Nov. 1974 of Registering Authority, Mukerian.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 4-8-1975.

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Jagan Nath s/o Hans Raj R.O. Bassi Gulam Hussain, Teh. Hoshiarpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) i) Shri Dharam Pal s/o Chuni Lal, (ii) Satyal Pal s/o Sant Ram, R.O. Model Town, Hoshiarpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]
(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 4th August 1975

Ref No. A.P. 1114.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bassi Gulam Hussain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3053 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raghbir Singh s/o Mian Lal Singh, Vill. Pandori, Thana Mukarian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.**

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1115.—Whereas, 1, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Pandori, (and more fully described in, the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukarian, in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(2) (i) Harbans Singh s/o Devi Ditta Mal (ii) Balvinder Singh, (iii) Sukhdev Singh, (iv) Manmohan Singh, R.O.S-91, Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1470, of Nov. 1974 of registering authority, Mukarian.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1116.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Pandori, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian, in Nov. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24--206 GI/75

(1) Shri Raghbir Singh s/o Mian Lal Singh, R.O. Pandori. (Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Devi Ditta Mul s/o Jiwan Mal, Industrial Area, Jullundur. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1472 of Nov. 1974 of Registering Authority, Mukerian.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) S/Shri Jagjit Pal Singh s/o Daljit Singh S/o Dev Singh s/o Bishan Singh, R.O. Sagarpur, Teh. Batala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.J. 1117.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Pandori, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mukerian, in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghbir Singh s/o Mian Lal Singh, R.O. Pandori, P.S. Mukerian.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1471 of Nov. 1974 of Registering Authority, Mukerian.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghbir Singh s/o M. Lal Singh, R.O. Pandoori.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Tarlochan Singh, Satpal Singh Nirmal Singh,
Bhagwan Singh s/o Bishan Singh, R.O. Sagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th August 1975

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

Ref. No. A.P. 1119.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Pandoori, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukarian, in Nov. 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1481 of Nov. 1974 of Registering Authority, Mukarian.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1120.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. As per schedule situated at Pathari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Narotam Dev s/o Bhagat Ram, R.O. Kachha Toba, Hoshiarpur.
(Transferor)

(2) Shri Tarsam Lal s/o Durga Dass s/o Devi Chand, r/o Rajindar Nagar, Jullundur.
(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3028 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rans Raj s/o Rall Ram s/o Shri Damlat Ram
 (Dialpur Gali, Katerpur, Teh. & Distt. Jullundur.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1121.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A^v per schedule situated at Diayalpur Gate Katarpur, Teh. & Distt. Jullundur,

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Majmian Singh, Tarsam Singh, Mohinder Singh, Joginder Singh and Manjit Singh s/o Shri Charan Singh s/o Shri Jawala Singh, Diayalpur Katarpur Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the house. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 7491 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax Acquisition Range,
 Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bansi Lal s/o Shri Ram Lal W.F. 145, Ali Malla, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1975

Ref. No. A.P. 1118.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(2) The Bhatia Cooperative House Building Society, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7368 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 4-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Yogeshwar Prasad, D-18, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, I
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Dec-I/530(9)/74-75/227.—
Whereas, I, C. V. Gupte,being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Land Kh. No. 1295/84/1/1 situated at Khewant No.
654 Revenue Estate of Kilokari, Hari Nagar, Asharam,
Mathura Road, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer at
New Delhi on 4th December 1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid person within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the re-
spective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold piece of land mg. one bigha 16 Biswas (about
1814 sq. yds.) comprised in Ksra No. 1295/84/1/1 in
Khewat No. 114, Khata No. 634 within the revenue estate
of Village Kilokari, at Hari Nagar Ashram, Mathura Road,
New Delhi more fully described by the following boundary:—

East : Mathura Road

West : Land & House of Shri Peshwari Lal Sahni.

South : House of Sh. S. P. Suri.

North : House of Sh. Daljit Singh.

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—(1) Shri Moti Ram s/o Late Sh. Jagannath r/o 3338,
Kucha Kashgiri Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

Date : 4th August 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 5th July 1975

Ref. No. Rai/IAC(Acq.)/247.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Senti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittorgarh on 8-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jai Singh S/o Nawal Singh Mehta R/o Mohalla Moti Chohatta Udaipur at present R/o 110, Lake Terrace, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Srilal S/o Shri Dev Kishan Dave Srimali R/o Sangath Teh. Kumbhalgarh, Distt. Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

11 Bigha Agricultural land bearing No. 191/2 situated in Village Senti Teh. & Distt. Chittorgarh.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 5-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Jai Singh S/o Shri Nawal Singh Mehta R/o
Moti Chohatta Udaipur at present 110, Lake Terrace
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shrimati Jhamku Bai W/o Shri Srilal Dave Srimali
R/o Sangath Teh. umbhalgarh, Distt. Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 5th July 1975

Ref. No. Rai/IAC(Acq.)/248.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Agricultural land situated at Senti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittorgarh on 8-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and /or

20 Bigha Agricultural land bearing Araji No. 191/1 situated in Villages Senti, Teh. & Distt. Chittorgarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

25-206GI/75

Date : 5-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Vinod Kumar (Minor) S/o Shri Srilal Dave through his guardian mother Smt. Jhamikubai W/o Shri Srilal Dave R/o Sangath Teh. Kumbhalgarh Distt. Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th July 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/249.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Senti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chittorgarh on 8-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

10 Bigha Agricultural land bearing No. 191/2 situated in village Senti Teh. & Distt. Chittorgarh.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jai Singh S/o Shri Nawal Singh Mehta R/o Moti Chobatta Udaipur at present 110, Lake Terrace Calcutta.

(Transferor)

Date : 5-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jai Singh S/o Shri Nawal Singh Mehta R/o Moti Chohatta Udaipur at present 110, Lake Terrace Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Srilal Dave, Shrimali R/o Sangath Teh. Kumbhalgarh, Distt. Udaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/250.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Senti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittorgarh on 8-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Bigha Agricultural land bearing Araji No. 191/2 situated in Village Senti Teh. & Distt. Chittorgarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amar Singh Bindra s/o Shri Ram Singh
Bindra r/o K-100, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tej Kaur w/o Shri Upkar Singh r/o K-100,
Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 27th June 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/843/75-76/1217.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-100 (1/2 share) situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of one single storeyed house being No. K-100 situated in approved residential colony known as Kirti Nagar on Najafgarh Road, New Delhi area of Village Basai Dara-pur, Delhi bounded as under :—
North : House No. -99 & Park.
South : Service Lane.
East : Service Lane.
West : House No. 101.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 27-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amar Singh Bindra s/o Shri Ram Singh
Bindra r/o K-100, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Upkar Singh s/o Shri Sanmukh Singh r/o
K-100, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 27th June 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/844/75-76/1215.—Whereas, I, C.V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-100 (1/2 share) situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 13-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/2 share of one single storeyed house bearing No. K-100 situated in approved residential colony known as Kirti Nagar, On Najafgarh Road, New Delhi area of village Basai darpur, Delhi bounded as under :—

North : House No. K-99 & Park.

South : Service Lane.

East : Service Lane.

West : House No. 101.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dte : 27-6-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lilla Dhar, s/o Shri Hem Raj Pahuja, C-7/5,
Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sadhu Ram, s/o Shri Hem Raj Pahuja, R/o
C-7/5, Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
DELHI

New Delhi, the 20th May 1975

Ref. No. II/1785/75-76/836.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-31 situated at Satyawati Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. B-31, measuring 300 sq. yds, out of Scheme bearing Khasra Nos. 86, 88, 89, 92 to 98, 100 to 107 situated in the freehold colony known as Satyawati Nagar, Delhi and is bounded as under :—
East : Road.
West : Service Lane.
North : B-32.
South : B-30.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 20-5-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Lceekay Chemical & allied Industries, 52-A, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Gupta and Shri Sham Lal Gupta sons of Shri Ram Jiwan Dass, Smt. Gita Devi w/o Shri Om Parkash Gupta and Smt. Sarla Gupta w/o Shri Sham Lal, Residents of 1686, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 25th July 1975

Ref. No. CHD/256/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 182/1, Industrial Area, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 182/1, Industrial Area, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1075 of January 1975 of the Registering Authority, Chandigarh).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 25-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Arjan Singh, s/o Shri Shiam Singh, Village Karhali, Tehsil and District Patiala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Dasoudha Singh, s/o Shri Hari Singh, Village Sagra, Tehsil Samana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 24th July 1975

Ref. No. PTA/62/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land with tube-well, (Land measuring 74 kanals), situated at Village Karhali, Teh. & Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land with tube-well, (Land measuring 74 kanals) situated at Village Karhali, Tehsil and District Patiala. Khewat No. 133/201.

Khasra Nos.

86/3	5—12
86/4	8—00
86/7	8—00
86/8	8—06
86/17	8—00
86/18	8—00
86/19	4—12
86/22	7—10
86/23	8—00
86/24	8—00
<hr/>	
	74—00

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2923 of February 1975 of Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 24-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 26th July 1975

Ref. No. KLU/10/74-75.—Whereas, I, V. P. Minacha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 bighas and 14 biswas with 1/4th share of a house on the land, situated at Phati Bari, Kothi Baragarh, Distt. Kulu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulu in February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

26—206GI/75

(1) Smt. Tulwantu, d/o Shri Anant Ram, s/o Ringlu Rajput, Village Bashkola, Phati Katrain, Kothi Baragarh, District Kulu.

(Transferor)

(2) Shri Jit Ram and Shri Uttam Ram sons of Anant Ram, s/o Ringlu' Rajput, Residents of Bashkola, Phati Katrain, District Kulu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 bighas and 14 biswas, situated in village Phati Bari, Ko'hi Baragarh, District Kulu with 1/4th share of a house on the land.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1135 of February 1975 of the Registering Authority, Kulu.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 2-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd., Ludhiana, Through Shri Santosh Kumar Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sohan Singh, s/o Shri Bishan Singh, Resident of B-I, 1442, Deepak Cinema Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 9th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/C/569/74-75.—Whereas, I, G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8-B, situated at Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ludhiana in February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 8-B, measuring 530 sq. yds. originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd. situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9424 of February 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 9-5-1975
Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Hakim Singh S/o Shri Sher Singh, R/o Dharam Pura, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

(2) (i) Shri Chaman Lal S/o Shri Dhani Ram R/o 14, Sham Nagar, Ludhiana, (ii) Shri Mulkh Raj, s/o Shri Chaman Lal, (iii) Shri Shakti Kumar s/o Ram Parkash, (iv) Smt. Savitri Devi d/o Jewan Mal, Smt. Sudesh Kumari w/o Om Parkash (iv) Shri Behari Lal s/o Pokhar Dass, Residents of 14-Sham Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 9th May 1975

Ref. No. LDH/C/523/74-75.—Whereas, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in January, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Measuring 818 7/54 sq. yds. situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 934, 941, 942 and 944.
Khata Nos. 39/53, 617/829.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8509 of January 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-5-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chaman Lal S/o Shri Dhani Ram, R/o 14, Sham Nagar, Ludhiana, (ii) Shri Mulkh Raj, s/o Shri Chaman Lal, (iii) Shri Shakti Kumar s/o Ram Parkash, (iv) Smt. Savitri Devi d/o Jewan Mal, (v) Smt. Sudesh Kumari w/o Om Parkash (vi) Shri Behari Lal s/o Pokhar Dass, Residents of 14-Sham Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 818 7/54 sq. yds. situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsi Ludhiana.

Khasra Nos. 934, 941, 942 and 944.
Khata Nos. 39/53, 617/829.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8510 of January 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Singh S/o Shri Bhajan Singh, R/o Dharam Pura, Ludhiana.
(Transferor)

Date : 9-5-1975
Seal :

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 9th May 1975

Ref. No. LDH/C/525/74-75.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in January, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harminder Singh (Minor) Son of Shri Darbara Singh, R/o Dharam Pura, Ludhiana. Through his natural guardian Shri Darbara Singh.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal S/o Shri Dhani Ram, R/o 14, Sham Nagar, Ludhiana, (ii) Shri Mulkh Raj, s/o Shri Chaman Lal, (iii) Shri Shakti Kumar s/o Ram Parkash, (iv) Smt. Savitri Devi d/o Jewan Mal, (v) Smt. Sudesh Kumari w/o Om Parkash (vi) Shri Behari Lal s/o Pokhar Dass, Residents of 14-Sham Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 545 34/81 sq. yds. situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 934, 941, 942 and 944.
Khata Nos. 39/53, 617/829.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8539 of January 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-5-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH**

Chandigarh, the 9th May 1975

Ref. No. LDH/C/526/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Singh, s/o Shri Darbara Singh, Resident of Dharampura, Ludhiana.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chaman Lal S/o Shri Dhani Ram, 2. Smt. Mulkh Raj, s/o Shri Chaman Lal, 3. Shri Shakti Kumar s/o Ram Parkash, 4. Smt. Savitri Devi d/o Jeewan Mal, 5. Smt. Sudesh Kumari w/o Om Prakash 6. Shri Behari Lal s/o Pokhar Dass, Residents of 14-Sham Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 545 34/81 sq. yds. situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 934, 941, 942 and 944.

Khata Nos. 39/53, 617/829.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8540 of January 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 9-5-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th May 1975

Ref. No. LDH/C/527/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in January, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Darbara Singh, father and natural guardian of Shri Gurmeet Singh, minor, Resident of Dharampura, Ludhiana.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chaman Lal S/o Shri Dhani Ram, 2. Shri Mulkh Raj s/o Shri Chaman Lal, 3. Shri Shakti Kumar s/o Ram Parkash, 4. Smt. Savitri Devi d/o Jeewan Mal, 5. Smt. Sudesh Kumari w/o Om Parkash, 6. Shri Behari Lal s/o Pokhar Dass, Residents of 14-Sham Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 545 $\frac{24}{81}$ sq. yds. situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 934, 941, 942 and 944.
Khata Nos. 39/53, 617/829.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8541 of January 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-5-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Chaman Lal S/o Shri Dhani Ram, 2. Smt. Mulkh Raj s/o Shri Chaman Lal, 3. Shri Shakti Kumar s/o Ram Parkash, 4. Smt. Savitri Devi d/o Jeewan Mal, 5. Smt. Sudesh Kumari w/o Om Prakash 6. Shri Behari Lal s/o Pokhar Dass, Residents of 14-Sham Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th May 1975

Ref. No. LDH/C/528/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh s/o Shri Gurbachan Singh, Resident of Dharampura, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 818 7/54 sq. yds. situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 934, 941, 942 and 944.
Khata Nos. 39/53, 617/829.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8722 of January, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-5-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbans Singh, s/o Shri Gurbachan Singh,
Resident of Dharampura, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th May 1975

Ref. No. LDH/C/529/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
27-206GI/75

(2) 1. Shri Chaman Lal S/o Shri Dhani Ram, 2. Shri Mulkh Raj s/o Shri Chaman Lal, 3. Shri Shakti Kumar s/o Ram Parkash, 4. Smt. Savitri Devi d/o Jeewan Mal, 5. Smt. Sudesh Kumari w/o Om Parkash 6. Shri Behari Lal s/o Pokhar Dass, Residents of 14-Sham Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 818 7/54 sq. yds. situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 934, 941, 942 and 944.

Khata Nos. 39/53, 617/829.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8723 of January 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-5-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 2nd August 1975

Ref No. Acq. File No. 219/J. No. 1(158)/VSP/74-75—
 Whereas, I, B. V. Subba Rao,
 being the competent authority under Section 269B of the
 Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing
 Door No. 2-39-66(4) 12-39-66(B) 12-39-66G Nookambika
 Temple St.
 (and more fully described in the Schedule
 annexed hereto), has been transferred
 as per deed registered under the Registration
 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Anakapally on 15-11-74
 for an apparent consideration which is
 less than the fair market value of the aforesaid property and
 I have reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian
 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
 said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
 namely :—

- (1) 1. Maddirala Venkata Kodanda Rao,
 2. Maddirala Venkata Krishna Murthy,
 3. Maddirala Venkata Timmayya Pantulu,
 4. Maddirala Venkata Chandramma,
 5. M. V. Sundararao.
 6. M. V. Kodanda Rama Prasad.
 7. M. V. Sundara Krishna Prasad.
 6 & 7 being minors by guardian father-M. V. Sundararao.

(Transferor)

- (2) Sri. Boddeda Pothu Raju, Anakapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per doc. No. 2721 of SRO, Anakapally registered on 14-11-74.

B. V. SUBBA RAO,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kak'nada

Date : 2-8-75
 Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd August 1975

Ref. No. Acq. File No. 220/J. No. J(230)/VSP/74-75—
Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing Door No. 13-39-66(P) Asst. No. 563, situated at
Nookambia Temple St, AKP.

(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer
at Anakapally on 15-11-74
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
in any moneys or other assets which
been or which ought to be disclosed
transferee for the purposes of the
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. M. V. Kodanda Rao
2. M. V. Krishna Murthy
3. M. V. Chendramma
4. M. V. Timmayya
5. M. V. Sundararao
6. M. V. K. R. Prasad
7. M. V. S. K. Prasad
6 & 7 being minors by guardian-father M. V. Sundararao.

(Transferor)

- (2) Sri B. Sanyasiraju, Anakapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 2-8-75
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Shri Pedapati Babu Rao,
Narsipatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 2nd August 1975

(2) Ganugula Appala Raju,
Narsipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. File No. 217/J. No. I(160)/VSP/74-75—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 3-150 Ward No. 1, situated at Narsipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Narsipatnam on 30-11-74
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

The schedule property as per document No. 2710/74 of Sub-Registrar, Narsipatnam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-8-75
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Bengi Surya Prakasa Rao, Anakapally,
Bengi Apayamma, Anakapally.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Benu Mahalaxmi, Anakapally.
Benu Trinadha Rao, Anakapally.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd August 1975

Ref. No. Acq. File No. 216/J. No. 159/VSP/74-75.—
 Whereas, I, B. V. Subba Rao,
 being the Competent Authority
 under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43
 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have
 reason to believe that the immovable property, having a fair
 market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 7-11-10&7-11-11, situated at Goods Shcd Road, Anakapally
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Anakapally on 30-11-74
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the
 said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of
 30 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
 immovable property within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2737 registered on 20-11-74 before SRO, Anakapally.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. V. SUBBA RAO,
 Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-8-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 29th July 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/852/75-76—Whereas, I. S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Pramilla Dhawan w/o
Shri L. K. Dhawan, r/o C-6/6 Vasant Vihar
New Delhi,
2. Smt. Veena Nanda w/o Lt. Col. R. B. Nanda
r/o 1/1, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Darshan Kaur w/o
Shri Ragbir Singh
r/o 14/10, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)
- (3) Sv/Shri Inderjit 2. Harbans Lal 3. Sohan Lal Chadha
4. Mukand Lal 5. Inderjit 6. Jai Ram 7. Dharam
Pal 8. Ram Rakhamal
r/o 1/1 West Patel Nagar, New Delhi.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed structure built up on a lease hold plot of land measuring 880 sq. yds. situated at 1/1 West Patel Nagar, New Delhi & bounded as under :—

North : Service Lane
East : Property No. 2 Block No. 1
South : Main Road
West : Road

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 29-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1975

Ref. No. Raj/IAC/Acq./253.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 & 2A, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13 Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Kanhiyalal Tiwari, s/o Shri Narainji Tiwari, Nahargarh Road, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Santosh Kumar Saravgi s/o Shri Kanwarlal, Jaipur. (Transferee)
- (3) Shri Neter Palsingh, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 2 & 2A forming part of the property known as Jhumarlalji-ki-Bagichi, owned by Shri Kanhiyalal Tiwari, situated at Motilal Atal Road, Opposite Polo Victory Cinema, Jaipur alongwith construction thereon.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1975,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanhiyalal Tiwari s/o Shri Narainji Tiwari,
Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Purshotam Vyas s/o Shri Madanlal Vyas
Opposite Polo Victory Cinema, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 13th August 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/IAC/Acq./252.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 (one), situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1975 Jan. 24 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 1 & 1A forming part of property known as Jhumarlal Swarooplal Ki Bagchi, situated at Motilal Atal Road, Opposite Polo Victory Cinema, Jaipur alongwith construction thereon.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1975.
Seal.

FORM ITNS—

(1) Kanhiyalal Tiwari s/o Shri Narainji Tiwari, Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Chander Prakash Devra, s/o Mangilal Devra,
Shanti Sadan, Atal Road, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(3) Shri Vijendersingh (Ground floor) Shri Jagdish Prasad s/o Ramkumar (1st & 2nd floor) (Person in occupation of the property)

Jaipur, the 13th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Raj/IAC/Acq./257.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/1 & 5/1A, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1975 Jan. 27.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—206GI/75

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5/1 & 5/1A forming part of property known as Jhumaral Swarooplalji Ki Bagichi, situated at Motilal Atal Road, Opp. Polo Victory Cinema, Jaipur alongwith construction thereon. (Bagichi owned by Shri Kanhiyalal Tewari).

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-8-1975,

Seal :

FORM ITNS

(1) Kanhiyalal Tiwari s/o Shri Narain Tiwari, Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(2) Shri Omprakash Kayal s/o Sh. Radheyshyam Kayal, 25, Kanti Nagar, Jaipur.

(Transferee)

(3) Shri Kaushalsingh Yadav. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 13th August 1975

Ref. No. Raj/IAC/Acq./254.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 & 3A, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1974 Dec. 21 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 3 & 3A forming part of property known as Jhumaralji-Ki-Bagichi, owned by Shri Kanhiyalal Tiwari, situated at Motilal Atal Road, Opposite Polo Victory Cinema, Jaipur alongwith construction thereon.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-8-1975.

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Kanhiyalal Tiwari s/o Shri Narainji Tiwari,
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(2) Shri Chander Prakash Devda, s/o Sh. Mangilal Devda.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Kaushalsingh. (Person in occupation of the property)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 13th August 1975

Ref. No. Raj/IAC/Acq./255.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/1 & 4/A-1, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jaipur on 1974, Dec. 21 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Block No. 4/1 & 4/A/1 forming part of property known as Jhumarlalji-ki-Bagchi, owned by Shri Kanhiyalal Tiwari, situated at Motilal Atal Road, Opposite Polo Victory Cinema, Jaipur alongwith construction thereon.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1975.

Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri Kanhiyalal Tiwari, Nahargarh Road, Jaipur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1975

Ref. No. Raj/IAC/Acq./256.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4/2 & 4A/2, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1974 Dec. 21

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rajendersingh Devra, s/o Shri Mangi Lal Devra, Shanti Sadan, Motilal Atal Road, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

Block No. 4/2 & 4A/2 forming part of property known as Jhumarlalji-ki-Bagichi, owned by Shri Kanhiyalal Tiwari, situated at Motilal Atal Road, Opposite Polo Victory Cinema, Jaipur alongwith construction thereon.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Rajendrasingh Devda s/o Mangilal Devara.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1975

Ref. No. Raj/LAC/Acq./258.—Whereas, I, S. C. Jain, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 & 5/2A, situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1975 Jan. 27 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanhiyalal Tiwari s/o Shri Narainji Tiwari, Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

Date : 13-8-1975.

Seal :

(3) Shri Jagdish Prasad s/o Ramkumar. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5/2 & 5/2A forming part of property known as Jhumarlalji-ki-Bagichi, owned by Shri Kanhiyalal Tewari, situated at Motilal Atal Road, Opposite Polo Victory Cinema, Jaipur alongwith construction thereon.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

